ट्रंप ने रक्षा मंत्री के कहने पर... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
वर्ष - 01, अंक - 352
गाजियाबाद / गुरूवार 26 मार्च 2026
PRGI No. - UPHIN/25/A0086
पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

धुरंधर 2 में परवीर कौर ने कम... 11

ईंधन संकट की अफवाहों पर सरकार का बड़ा बयानः

‘देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं’

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में पिछले 48 घंटों के दौरान पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर फैली अफवाहों पर केंद्र सरकार और राज्य संचालित तेल कंपनियों ने स्पष्ट और सख्त रुख अपनाया है। सरकार ने साफ किया है कि देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर कई भ्रामक पोस्ट तेजी से वायरल हुईं। इन अफवाहों के कारण कुछ शहरों में लोगों के बीच चिंता का माहौल बन गया और कई पेट्रोल पंपों पर अचानक भीड़ भी देखने को मिली।

सरकारी तेल कंपनियों भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर कहा कि देशभर में ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि एलपीजी, कच्चा तेल, पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल की सप्लाई पूरी तरह सुचारू रूप से चल रही है और कहीं भी कोई बाधा नहीं है।

कंपनियों के अनुसार, रिफाइनरी से लेकर डिपो और पेट्रोल पंप तक पूरी सप्लाई चेन सामान्य तरीके से काम कर रही है। किसी भी राज्य या क्षेत्र में ईंधन की वास्तविक कमी की स्थिति नहीं है।

‘नहीं बदले हैं गैस रिफिल बुकिंग के नियम’

एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समय-सीमा (रिफिल टाइमलाइन) में बदलाव को लेकर चल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट को सरकार ने खारिज कर दिया। इनमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग के लिए 45 दिन, नॉन-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समय-सीमा तय होने की बात कही जा रही थी। सरकार ने इन दावों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है।

‘घबराएं नहीं, अनावश्यक खरीदारी से बचें’

तेल कंपनियों और सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर ईंधन की अनावश्यक खरीदारी न करें। उन्होंने कहा कि इस तरह की घबराहट से कृत्रिम कमी की स्थिति बन सकती है, जिससे आम उपभोक्ताओं को परेशानी हो सकती है।

अफवाहें पूरी तरह निराधार

सरकार ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैल रही खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें।

राज्यसभा में उठी मांग; स्वदेशी सर्च इंजन बने

आने वाले वक्त में डिजीटल मुसीबत का जताया आंदेशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल जैसे विदेशी सर्च इंजनों पर निर्भरता कम करने और देश को डिजिटल संप्रभुता के मामले में मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी सर्च इंजन विकसित करने की मांग बुधवार को राज्यसभा में की गई। कांग्रेस के नीरज डांगी ने शून्य काल में यह मामला उठाते हुए कहा कि अभी सारी दुनिया ऊर्जा की आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भर है लेकिन पश्चिमी एशिया संकट के कारण उसके बंद होने के चलते सभी परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि यह स्थिति ऊर्जा के क्षेत्र में एकाधिकार के कारण उत्पन्न हुई है। हमें इससे सबक लेते हुए अपनी डिजिटल संप्रभुता के संरक्षण के लिए अपना स्वदेशी सर्च इंजन विकसित करना चाहिए जिससे कि हमारी विदेशी सर्च इंजनों पर निर्भरता न हो। उन्होंने कहा कि यदि हम समय रहते अपना सर्च इंजन नहीं बनाएंगे तो आने वाले समय में हम डिजिटल मुसीबत में फंस सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका गूगल को निर्देश देकर भारत के डेटा की मांग कर सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बारे में श्वेत पत्र लाकर अपनी योजना सबके सामने रखनी चाहिए।

कांग्रेस की रंजीत रंजन ने खाद्य पदार्थ के पैकेटों पर उसमें बंद सामग्री के बारे में सरल भाषा में जानकारी देने की मांग की। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों में वसा, नमक और चीनी निश्चित से अधिक मात्रा मिलाए जाते हैं जिसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक अध्ययन के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक लोग मधुमेह से ग्रसित है। हर चौथा व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है।

‘नंबरों की दौड़ से 70% बच्चे तनाव ग्रस्त’

भारतीय जनता पार्टी के डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल ने नंबरों की दौड़ में शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नंबरों की दौड़ के कारण देश के 70 प्रतिशत बच्चे तनाव ग्रस्त रहते हैं। उन्होंने कहा कि चीन ने अपने देश में कोचिंग संस्थानों पर प्रतिबंध लगा दिया है और भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। मनोनीत हर्षवर्धन श्रृंगला ने वन्यजीवों के संरक्षण को जरूरी बताते हुए कहा कि मानव विकास के कार्यों में संतुलन बनाया जाना जरूरी है। कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने सांसदों को उनके क्षेत्र में विकास के लिए मिलने वाली क्षेत्रीय विकास निधि को बढ़ा कर 20 करोड़ रुपए करने की मांग की।

सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठिया गिरफ्तार

जम्मू (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के चौकस जवानों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के रामगढ़ सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने रामगढ़ सेक्टर में भल्लर सीमा चौकी के पास एक पाकिस्तानी व्यक्ति की हलचल देखकर उसे ललकारा और जब वह सीमा के इस तरफ आ गया, तो उसे पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, उसके पास से कोई भी आपत्तिजनक चीज़ नहीं मिली और उसने अनजाने में सीमा पार कर ली थी। उन्होंने कहा कि आगे की कार्रवाई के लिए मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस को 24 अकबर रोड़ स्थित कार्यालय खाली करने का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने कांग्रेस पार्टी को उसके 24 अकबर रोड स्थित कार्यालय और पांच रायसीना रोड स्थित युवा कांग्रेस कार्यालय को खाली करने को कहा है। सूत्रों के अनुसार संपदा निदेशालय ने नोटिस भेजकर कांग्रेस से ये दोनों कार्यालय 28 मार्च तक खाली करने को कहा। कांग्रेस पार्टी ने पिछले वर्ष अपना मुख्यालय इंद्रा भवन में स्थानांतरित कर लिया था लेकिन वह 24 अकबर रोड़ पर अपना कार्यालय बनाए हुए है। नोटिस के संबंध में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह नोटिस दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मसले पर वैधानिक और राजनीतिक रूप से चर्चा कर आगे कदम उठाएगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस इस मसले पर अदालत का रुख करने की तैयारी में है। गौरतलब है कि करीब 48 वर्षों से 24 अकबर रोड के बंगले में कांग्रेस का मुख्यालय है।

को-ऑपरेटिव डिविडेंड इनकम पर तीन साल तक मिलेगी टैक्स छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार की ओर से बुधवार को को-ऑपरेटिव डिविडेंड इनकम पर बड़ा ऐलान किया गया। अब नेशनल को-ऑपरेटिव फेडरेशन से आने वाली डिविडेंड आय पर तीन साल की टैक्स छूट मिलेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि इस टैक्स छूट का उद्देश्य को-ऑपरेटिव में कम हिस्सेदारी वाले सदस्यों को प्रोत्साहन देना है, जिससे अधिक संख्या में लोग को-ऑपरेटिव से जुड़े। वित्त मंत्री ने कहा कि को-ऑपरेटिव, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और किसान मिलकर देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वंदेमातरम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार द्वारा जारी वंदेमातरम के गायन को अनिवार्य करने की अधिसूचना के खिलाफ दाखिल याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने इस याचिका को प्री-मेच्योर बताते हुए कहा कि फिलहाल इसे खारिज करना ही उचित है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि इस सर्कुलर के कारण यदि कोई व्यक्ति इसे गाने या खड़े होकर सम्मान नहीं दिखाता है, तो उस पर सामाजिक दबाव बनाया जा सकता है और उसे अनिवार्य रूप से गाने के लिए मजबूर किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान जस्टिस जॉयमलिया बागची ने याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या अधिसूचना में ऐसा कोई प्रावधान है कि यदि कोई व्यक्ति ‘वंदे मातरम’ नहीं गाता, तो उसे बाहर निकाल दिया जाएगा या उसके खिलाफ कोई कार्रवाई होगी।

अग्निवीरों को 20% नौकरी आरक्षण की सिफारिश

- गृह मंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को लिखा पत्र

हमीरपुर (एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने अग्निवीरों के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाते हुए सभी राज्यों से सरकारी नौकरियों में 20 प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश की है। इस संबंध में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। यह पहल उस समय की गई है जब अग्निवीरों का पहला बैच वर्ष 2027 में अपनी चार वर्षीय सेवा पूरी करेगा। केंद्र सरकार चाहती है कि सेवा समाप्ति के बाद इन युवाओं को पर्याप्त रोजगार अवसर मिल सकें। पत्र में विशेष रूप से वन रक्षक, खनन गार्ड, पुलिस कांस्टेबल, फायरमैन, माउंटेड पुलिस, जेल वार्डन, विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) जैसे पदों में 20 प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश की गई है। देश के कई राज्यों ने इस दिशा में पहल भी शुरू कर दी है। हरियाणा इस तरह का आरक्षण लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है, जहां पुलिस, खनन गार्ड, जेल वार्डन, विशेष पुलिस अधिकारी और ग्रुप-सी पदों में अग्निवीरों के लिए प्रावधान किया गया है।

कैबिनेट विस्तार के बाद धामी मंत्रिमंडल की हुई पहली बैठक

वीर उद्यमी योजना सहित 16 प्रस्तावों पर लगी मुहर

- गृह विभाग के अंतर्गत उत्तराखंड होमगार्ड नियमावली को मंजूरी

देहरादून(एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में आयोजित राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में शिक्षा, उर्जा, वन सहित विभिन्न विभागों से जुड़े 16 प्रस्तावों को स्वीकृति दे दी गई। बैठक में प्रशासनिक, वित्तीय और नीतिगत विषयों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक के प्रारंभ में मुख्यमंत्री धामी ने मंत्रियों से राज्य के विकास कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से भेजे गए संदेश से मंत्रिमंडल को अवगत कराया गया। मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने संदेश का वाचन किया, जिस पर मंत्रिमंडल ने आभार व्यक्त किया।

बैठक के उपरांत सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में सचिव शैलेश बगोली ने मंत्रिमंडल के निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गृह विभाग के अंतर्गत उत्तराखंड होमगार्ड नियमावली को मंजूरी दे दी गई है। भारतीय न्याय संहिता लागू होने के बाद प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति को भी स्वीकृति दी गई है। पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत अब 31 मार्च 2025 तक जिन उपभोक्ताओं के संयंत्र स्थापित हो चुके हैं, उन्हें ही सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा। इसी आधार पर बजट का प्रावधान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग में एक करोड़ रुपये से अधिक की कंसल्टेंसी सेवाओं को स्वीकृति दी गई है। न्याय विभाग के कर्मचारियों को नॉमिनल ब्याज दर पर अधिकतम 10 लाख रुपये तक का सॉफ्ट लोन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। वन विभाग में मुख्य प्रशासनिक पदों के लिए न्यूनतम सेवा अवधि 25 वर्ष से घटाकर 22 वर्ष कर दी गई है। ऊर्जा विभाग में सब्सिडी का लाभ 31 मार्च 2025 तक सीमित रखने का निर्णय लिया गया। उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय से संबंधित प्रीमियम विषय पर प्रस्तुति भी दी गई।

पाकिस्तान में पटरी से उतरी ट्रेन, 26 यात्री घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बहावलपुर-लोधरान सेक्शन पर आदम वहान रेलवे स्टेशन के पास कराची जाने वाली तेजगाम ट्रेन के सात डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस घटना में 26 यात्री घायल हो गए। लाहौर से कराची जा रही ट्रेन के पांच डिब्बे मंगलवार रात को पलट गए। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद लोधरान के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल हाफिज, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (एडीसी) लियाकत गिलानी, डीपीओ और रेस्क्यू 1122 के अधिकारी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए मौके पर पहुंचे। पांच पलटे हुए डिब्बों में फंसे कुछ यात्रियों को बचाया।

सुजानपुर टीहरा के आसमान में वायुसेना का रोमांचक एयर शो

सुजानपुर टीहरा (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने बुधवार सुबह सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा, हिमाचल प्रदेश के मैदान के ऊपर शानदार हवाई करतब दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सैनिक स्कूल सुल्तानपुर टीहरा के प्रवक्ता के अनुसार, यह एयर शो वीरवार को फिर होगा। इस अवसर पर सैकड़ों लोग विशेषकर छात्र और युवा सुजानपुर टीहरा और हमीरपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे। एयर शो में सूर्य किरण टीम के कुल नौ विमानों ने हिस्सा लिया, जो करीब आधे घंटे तक चला। ये विमान चंडीगढ़ और आदमपुर स्थित वायुसेना स्टेशनों से उड़ान भरकर सीधे सुजानपुर पहुंचे और समन्वित फॉर्मेशन, हवाई करतब और अद्भुत स्टंट के जरिए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। विमानों ने धुएं की रंगीन लकीरों से आसमान में विभिन्न आकृतियां बनाईं। स्कूल की प्रिंसिपल रचना जोशी ने बताया कि सुजानपुर में इस तरह का एयर शो पहली बार आयोजित किया गया है।

वित्त विधेयक 2026 लोकसभा में ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने वित्त वर्ष 2026-2027 में सरकार के बजट प्रस्तावों को लागू करने के लिए अहम वित्त विधेयक 2026 को बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में वित्त विधेयक पर दो दिन चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए करो में सुधार कर कारोबार को आसान बनाने के लिए काम कर रही है। उनका कहना था कि विदेश जाने वाले आन पर्यटकों के लिए करो में छूट दी गई है और जो विदेश से जरूर का सामान लाते हैं उनको एयरपोर्ट पर दिक्कत ना हो इसे निर्बाध और सरल बनाने का काम किया गया है। उनका कहना था कि आयकर व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए इसका सरलीकरण किया गया है ताकि लोगों को व्यवसाय बढ़ाने तथा करदाताओं को आसानी हो।

ट्रेनों में 78% सीटें सामान्य, स्लीपर क्लास की: वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि ट्रेनों में 70 प्रतिशत स्लीपर और सामान्य डिब्बे लगाए गए हैं। वैष्णव ने प्रश्नकाल में बताया कि कुल ट्रेनों में 78 प्रतिशत सीटें स्लीपर और सामान्य डिब्बों की हैं। उन्होंने बताया कि गर्मियों और त्योहारों के समय तथा भीड़ बढ़ने के दौरान बड़ी संख्या में विशेष ट्रेन चलाई गई हैं, जिससे यात्रियों को बहुत सहूलियत हुई। उन्होंने बताया कि आरक्षित टिकटों के लिए दलाली करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि आईआरसीटीसी की वेबसाइट से तीन करोड़ फर्जी एकाउंट हटाए गए हैं। अब आम लोगों को कन्फर्म टिकट मिलने में आसानी होने लगी है। वैष्णव ने बताया कि ट्रेन दुर्घटनाएं रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किये गये हैं और इसके नतीजे भी बहुत अच्छे आये हैं। दुर्घटनाएं कम हुई हैं।

एम्स में इलाज के लिए आया मनोरोगी छत पर चढ़ा, समय रहते पकड़ा

ऋषिकेश (एजेंसी)।

उत्तराखंड में देहरादून जिले के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक मनोरोगी युवक छठी मंजिल की छत पर चढ़ गया और नीचे कूदने का प्रयास करने लगा। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में मौजूद मरीजों, उनके परिजनों और चिकित्साकर्मियों की सांसें थम गईं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्वाह्न करीब 11 बजे युवक अचानक छत पर पहुंच गया और छह की मुडेर पर खड़ा हो गया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभाला और नीचे से ही युवक से बातचीत शुरू कर उसे शांत करने का प्रयास किया। इस दौरान उसे लगातार बातों में उलझाए रखा गया, ताकि वह कोई गलत कदम न उठा सके। इसी बीच एक अन्य मरीज का तीमारदार चुपचाप छत पर पहुंच गया और मौके की नजाकत को समझते हुए साहस का परिचय दिया। उसने पीछे से युवक को पकड़कर खींच लिया, जिससे एक बड़ी दुर्घटना होते-होते टल गई। कुछ ही देर में दो सुरक्षाकर्मी भी मौके पर पहुंच गए और स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में ले लिया। बाद में सुरक्षा अधिकारियों ने युवक को सुरक्षित नीचे लाकर पूछताछ शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है, जिसे उसका एक रिश्तेदार इलाज के लिए अस्पताल लाया था। रिश्तेदार के ओपीडी में पर्चा बनवाने जाने के दौरान युवक शौच का बहाना बनाकर छत पर चढ़ गया।

अमेरिका युद्ध रोकने को बेकरार, ईरान का इनकार

- समझौते को लेकर भेजा 15 सूत्री प्रस्ताव
- हार्मुज को खोलने और यूरेनियम भंडार पर कब्जे की शर्ते शामिल
- ट्रंप बोले-सही लोगों से हो रही बातचीत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले से अमेरिका बुरी तरह फंस गया है। एक ओर जहां दुनिया भर में उसकी शाख घट रही है, वहीं मिसाइलों पर रोजाना करोड़ों डॉलर का खर्च उसे भारी पड़ रहा है। इसी बीच अमेरिका ने युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान को 15 सूत्री प्रस्ताव दिया है, जो 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे महत्वपूर्ण राजनयिक पहल मानी जा रही है। हालांकि ईरान ने किसी भी प्रकार की बातचीत होने से स्पष्ट इनकार किया।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह प्रस्ताव पाकिस्तान में मध्यस्थों के माध्यम से भेजा गया था। रॉयटर्स ने भी इस मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से इस योजना की पुष्टि की।

लगभग चार सप्ताह पहले ‘ऑपरेशन एपिक फ्यूरी’ के अंतर्गत अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों के बाद बढ़ते संघर्ष के बीच यह राजनयिक प्रयास किया जा रहा है। इसके जवाब में, ईरान ने इजराइली शहरों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं, क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और होर्मुज जलडमरूमध्य से पश्चिमी देशों से जुड़े जहाजों के आवागमन को प्रभावी रूप से प्रतिबंधित किया है। इस बीच, ईरान और लेबनान पर इजराइल के हमले जारी हैं और तेल अवीव के चैनल 12 ने प्रस्ताव के प्रमुख बिन्दुओं की रिपोर्ट दी, जिसमें अमेरिकी मांगों और संभावित रियायतों दोनों की रूपरेखा दी गई है, हालांकि किसी भी सरकार ने आधिकारिक रूप से पूरा दस्तावेज़ जारी नहीं किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वॉशिंगटन ईरान में सही लोगों से बातचीत कर रहा है और दावा किया कि तेहरान समझौते पर पहुंचने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष 15 बिन्दुओं पर सहमत हुए हैं जिनमें ईरान द्वारा परमाणु हथियार हासिल न करने की प्रतिबद्धता भी शामिल है। ट्रम्प ने यह भी सुझाव दिया कि अगर कोई समझौता हो जाता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द ही फिर से खुल सकता है और संकेत दिया कि इस तरह की व्यवस्था के तहत ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को अमेरिका द्वारा अपने कब्जे में लिया जा सकता है।

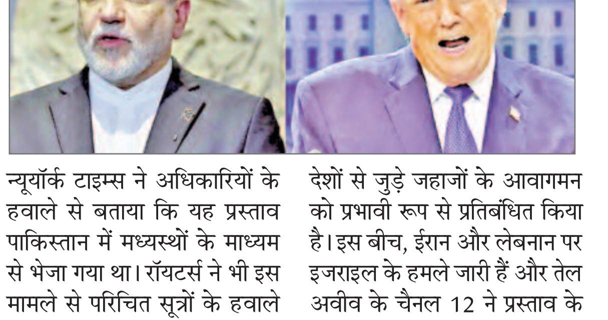

वॉशिंगटन के साथ कोई बातचीत नहीं : ईरान

ईरानी अधिकारियों ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया। ईरानी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि वॉशिंगटन के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है, जबकि संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबाफ़ ने इन रिपोर्टों को वैश्विक वित्तीय और तेल बाजारों को प्रभावित करने के उद्देश्य से फैलाई गई फर्जी खबर करार दिया। उन्होंने आगे कहा कि ईरान में जनता की भावना आक्रमणकारियों के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया देने की है।

अजित पवार प्लेन क्रैश में एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

बिलासपुर में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता, रोकथाम की कार्रवाई शुरू

-संक्रमण के कारण 4,400 मुर्गियों की मौत, 10 किमी तक की जा रही निगरानी

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कोनी इलाके में स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में पिछले कुछ दिनों 4,400 से ज्यादा मुर्गियों की मौत हो गई। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर रोकथाम की कार्रवाई शुरू की। पशु चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि 19 से 24 मार्च के बीच कोनी इलाके में स्थित सरकारी पोल्ट्री फ़ार्म में वायरल संक्रमण के कारण करीब 4,400 मुर्गियों की मौत हो गई। इस फ़ार्म में कुल 5,037 मुर्गियां थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि मृत पक्षियों के सैंपल सोमवार को भोपाल और पुणे की लैब में भेजे गए थे। भोपाल की लैब ने मृत मुर्गियों में एवियन इन्फ्लूएंज़ा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एवियन इन्फ्लूएंज़ा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रोकथाम और बचाव के लिए तत्काल निर्देश जारी किए हैं। बयान में कहा गया है कि फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित क्षेत्र और 10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमित क्षेत्र के अंदर पोल्ट्री पक्षियों, उनके चारे और अंडों को नष्ट कर दिया जाएगा और उनके आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पोल्ट्री पक्षियों के मालिकों को मुआवज़ा दिया जाएगा। मुर्गियों को मारने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, फार्म को सील कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्र में संक्रमित पक्षियों को मारने, उनका सुरक्षित निपटान करने, निगरानी रखने और सैनिटाइज़ेशन के उपाय करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमें गठित की गई हैं।

डबल डेकर बस पलटी, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के करोल बाग में डबल डेकर बस के पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया है। हादसे में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। बस में 25 यात्री सवार थे जब यह हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस ने हादसे का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि यह बस राजस्थान से आ रही थी और हनुमान मंदिर चौक के पास पलट गई। तीन दिन पहले जयपुर-दिल्ली हाईवे पर भी एक बड़ा हादसा हुआ था। उस दौरान हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस चंदवाजी इलाके में एक बाइक से टकरा गई थी। बाइक पर चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा दिल्ली के नांगलोई में कुछ दिन पहले एक डीटीसी बस ने स्कूटर सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही, एक ई-रिक्शा और कुछ लोग बस की चपेट में आ गए, जिसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आप विधायक रेप केस में गिरफ्तार, हरियाणा से भागे थे, मप्र से पकड़ा

पटियाला (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह 2 साल पुराने रेप केस में वांटेड थे। पठानमाजरा केस दर्ज होने के बाद पहले हरियाणा के करनाल में घेरे गए थे, लेकिन वह कस्टडी से फरार हो गए। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। पुलिस ने उनका लुकआउट सर्कुलर जारी कर रखा था। पठानमाजरा 2022 में पटियाला की सनौर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। केस में राहत के लिए पठानमाजरा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी। इसकी सुनवाई बुधवार को ही होनी थी। इसी को लेकर वह करीब 5 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटे थे। वह दिल्ली ही आ रहे थे, लेकिन पटियाला पुलिस को इसकी भनक लग गई। इसके बाद उन्हें मध्यप्रदेश के शिवपुरी में ग्वालियर बाइपास पर गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद वह पिछले 6 महीने से फरार चल रहे थे। पठानमाजरा पर बाढ़ के दौरान अफसरों के खिलाफ बयानबाजी के बाद केस दर्ज हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप की दिल्ली टीम के खिलाफ बोलने की वजह से उनके खिलाफ पुराने मामले में एफआईआर की गई है।

दिल्ली में अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़... 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के संगम विहार इलाके में क्राइम ब्रांच ने अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान क्राइम ब्रांच ने 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। मामले में 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच जारी है। क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को संगम विहार में गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके के तीन अलग-अलग गोदामों पर एक साथ छापा मारा। यहां चारों आरोपी शेर सिंह, सूरज परिहार, रघु राज सिंह और जितेंद्र शर्मा को अवैध तरीके से गैस सिलेंडरों की स्टॉकिंग और रिफिलिंग करते पकड़ा गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कुल 183 सिलेंडर बरामद हुए, जिसमें 154 भरे हुए सिलेंडर, 29 खाली सिलेंडर शामिल हैं। इसके साथ ही मौके से लोहे के पाइप, तराजू और अन्य रिफिलिंग उपकरण भी जब्त किए।

ईरान जंग का चुनाव पर असर, मिडिल ईस्ट में रहते हैं केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग

-वोट डालने यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से भारत आते हैं केरलवासी

निर्वाचन सदन
NIRVACHAN SADAN
भारत निर्वाचन आयोग
ELECTION COMMISSION
OF
INDIA

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान युद्ध का असर भारत में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। खाड़ी देशों में भारतीयों के फंसे होने के कारण वोटर संख्या प्रभावित हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर केरल पर पड़ेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑब्जर्वर्स का कहना है कि इसका असर मतदाताओं की संख्या पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि संख्या निर्णायक नहीं होगी, लेकिन कुछ इलाकों में इनका असर दिखेगा। वोट डालने के लिए यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से केरलवासी भारत आते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक मतदाताओं की संख्या का असर खासतौर से उत्तर केरल में नजर आएगा। इसके चलते मलप्पुरम, कोझिकोड और कासरगोड जिलों में असर देखा जा सकता है। साथ ही पलक्कड़ और थ्रिसूर कुछ प्रभावित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आईयूएमएल यानी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को इस वोटर का सबसे ज्यादा फायदा होता है। आईयूएमएल कांग्रेस की अगुवाई वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव पीएमए सलाम का कहना हैं कि कई लोग वोटिंग के लिए वापस नहीं आ पाएंगे। हमारे केएमसीसी सदस्य खाड़ी देशों में अधिकारियों से बात कर रहे हैं, लेकिन हालात सामान्य नहीं हुए तो मतदाताओं की संख्या कम रहेगी। सीपीआई से राज्यसभा सांसद संदोश कुमार पी कहते हैं कि उत्तर केरल में कुछ ही क्षेत्र हैं, जहां खाड़ी में रहने वाले मतदाताओं का संख्या ज्यादा है। आमतौर पर ये सीटें जीत के बड़े अंतर वाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यूएई केरल मुस्लिम कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष पुथूर रहमान बताते हैं कि हम यूएई से आमतौर पर 8 चार्टर्ड फ्लाइट्स की तैयारी करते हैं। इस साल हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुपरमार्केट और अन्य जगहों पर काम करने वाले कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि वह वोटिंग के लिए नहीं जा सकेंगे। 28 फरवरी और अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया था। इसके जवाब में ईरान ने मिडिल ईस्ट के कई देशों को निशाना बनाया। ईरान का कहना है कि देशों पर नहीं, बल्कि वहां मौजूद अमेरिकी बेस पर हमले किए थे। इसके चलते यूएई से आने वाली उड़ानें खासी प्रभावित हुईं थीं।

बंगाल पहुंचे औवेसी ने कहा, लोग घुटन महसूस कर रहे... ये गठबंधन उन्हें विकल्प देगा

एआईएमआईएम और जनता उन्नयन पार्टी के बीच हुए गठबंधन

कोलकाता (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन किया हैं, ताकि बंगाल की जनता को वह विकल्प दे सके जिसकी उन्हें बीते कई सालों से तलाश हैं। कबीर के साथ कोलकाता में प्रेसवार्ता को संबोधित कर ओवैसी ने दावा किया कि बंगाल में अल्पसंख्यकों का विकास बड़ा मुद्दा है। राज्य में अगले माह चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, ''एआईएमआईएम बंगाल के कमजोर वर्गों के शोषण को रोकने के लिए हुमायूं कबीर के साथ हाथ मिला रही है। हाल ही में टीएमसी से निलंबित हुए कबीर अब ओवैसी के साथ मिलकर ममता बनर्जी के अभेद्य दुर्ग (मुस्लिम वोट बैंक) में सेंध लगाने की तैयारी में हैं। कबीर की पकड़ इन इलाकों में काफी मजबूत मानी जाती है, जहाँ मुस्लिम मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। गठबंधन का मानना है कि यदि वे इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तब वे राज्य सरकार बनाने में किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

सरकार ऐसे समय प्रस्ताव पर चर्चा कर रही, जब चुनावों को लेकर आचार संहिता लागू है

-सीएम स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के चुनावों को देखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने 2011 की जनगणना को ही आधार मानकर महिला आरक्षण लागू करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे समय में इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रही है, जब चार राज्यों और पुदुचेरी में चुनाव होने हैं और वहां आचार संहिता लागू है। उन्होंने कहा कि यह अप्रत्याशित है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर विचार कर रही है। यह 128वें संविधान संशोधन के विपरीत है, जो 2023 में पारित हुआ था। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि 2026 की जनगणना के आधार पर इसे लागू किया जाए। ऐसी ही बात 2023 के महिला आरक्षण एक्ट में कही गई थी। उन्होंने कहा कि हम बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण का समर्थन करते हैं, लेकिन यह जरूरी है कि सीटों का परिसीमन सही तरीके से किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने परिसीमन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व से किसी छेड़छाड़ का विरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने अगले 30 सालों के लिए इस बात की गारंटी मांगी कि जो परिसीमन तय हो जाएगा, उसमें तीन दशकों तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। स्टालिन ने कहा कि यह हमारा मानना रहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का जो अनुपात है, उसमें किसी तरह का बदलाव ना किया जाए। यह गारंटी अगले 30 सालों के लिए हो। उन्होंने कहा कि सरकार को फिलहाल इस प्रस्ताव को रोक लेना चाहिए। इसके लिए सरकार को जून की शुरुआत में एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए, जिसमें महिला आरक्षण में संशोधन पर विचार किया जाए।

ईरान-इजराइल युद्ध में मध्यस्थता पाक जैसे देश कर रहे पीएम मोदी को भी करनी चाहिए थी

-सपा सांसद ने कहा- किस देश से कैसे संबंध रहेंगे यह हमारे पीएम ही फैसला लेते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा है कि पश्चिमी एशिया में संघर्ष के दौरान पीएम मोदी को मध्यस्थता करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। ईरान-इजराइल युद्ध में पाकिस्तान की ओर से मध्यस्थता के सवालों पर रामगोपाल यादव ने कहा कि पाकिस्तान, मिस्त्र और तुर्किए तीन देश मध्यस्थता कर रहे हैं। यह मध्यस्थता पीएम मोदी और भारत को भी करनी चाहिए थी।

उन्होंने आगे कहा कि बहुत सारे देशों ने पीएम मोदी को अपना सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान भी दिया है। पीएम मोदी की डोनाल्ड ट्रंप के साथ क्या बातचीत हुई। संसद और देश को उन्हें इस बारे में बताना चाहिए। यादव ने भारत की विदेश नीति पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से उठाए गए सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि विदेश नीति जो है, वो मूल रूप से पीएम मोदी के नेतृत्व में होता है कि हमारे किस देश से कैसे संबंध रहेंगे ये पीएम ही फैसला लेते हैं। जवाहरलाल नेहरू से लेकर हमेशा यही हुआ है। हमारी गुटनिरपेक्ष नीति थी, उसके निर्माता जवाहरलाल नेहरू थे। अब वह उससे हट रहे हैं तो उससे हटने वाले पीएम मोदी हैं। केंद्र सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक पर बुलाने पर रामगोपाल यादव ने कहा कि बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बारे में मंगलवार को सूचना मिली थी। समाजवादी पार्टी की ओर से जावेद अली खान और धर्मेंद्र यादव जाएंगे। पार्टियों की तरफ से दो-दो नेता जाएंगे।

इसी दौरान सपा सांसद ने संसद में पेश होने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में आपत्ति ही आपत्ति हैं। सरकार से कौन लड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वह नहीं मानती है। असिस्टेंट कमांडेंट 30 साल में भी डिप्टी कमांडेंट नहीं बन पाता है। उसी परीक्षा से पास हुए आईपीएस डीजी बन जाते हैं। सेना में मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल बन जाते हैं। पता होना चाहिए कि निराशा में कितने लोगों ने डीआरएस लिया।

उन्होंने कहा कि मैंने शून्यकाल में इसके विरोध में आवाज उठाई थी। सपा सांसद ने कहा कि राजनेताओं की रक्षा यही जवान करते हैं। सीमा से लेकर देश के अंदर शहीद होने वाले सबसे ज्यादा यही जवान होते हैं।

शानदार वापसी! सुनीत चौधारसिया ने दूसरे राउंड में मचाया धमाल, चार शॉट की बढ़त के साथ शीर्ष पर काबिज

ALPHA SPORTS ACADEMY
GOLF CHAMPIONSHIP
PATNA GOLF CLUB
PGTI
3 | 12
YARDS 590
PAR 5

पटना (शिखर समाचार)।
अल्फा स्पोर्ट्स अकादमी गोल्फ चैंपियनशिप 2026 में कोलकाता के सुनीत चौधारसिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे राउंड में 7 अंडर 65 का बेहतरीन स्कोर बनाया और चार शॉट की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। लंबे समय बाद चोट से वापसी कर रहे सुनीत ने अपनी लय और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

पहले राउंड में छठे स्थान पर रहे सुनीत ने दूसरे दिन जोरदार खेल दिखाते हुए कुल 8अंडर 136 के स्कोर के साथ लीड हासिल कर ली। उन्होंने टूनामेंट के सबसे कम स्कोर 65 की बराबरी भी की।

वहीं रोहित नरवाल 68 के स्कोर के साथ कुल 4 अंडर 140 पर दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। स्थानीय खिलाड़ी मोहम्मद नवाब 1 अंडर 143 के साथ संयुक्त रूप से छठे स्थान पर रहे और स्थानीय खिलाड़ियों में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया।

पहले राउंड के लीडर रोहित बैसोया का प्रदर्शन इस बार फीका रहा और 78 का स्कोर करने के बाद वे भी संयुक्त छठे स्थान पर खिसक गए। पटना गोल्फ क्लब के 72 पार नौ होल कोर्स पर खेले जा रहे इस टूनामेंट में खिलाड़ियों को नौ होल दो बार खेलने होते हैं। सुनीत ने अपने राउंड की शुरूआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और पहले 12 होल में 6 बर्डी लगाकर बढ़त बना ली। हालांकि 14वें होल पर एक बोगी आई, लेकिन उन्होंने 15वें और 17वें होल पर फिर बर्डी लगाकर शानदार वापसी की। मैच के बाद सुनीत ने कहा कि उन्होंने शुरूआत में ही कुछ मुश्किल पुट्स को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने बताया कि लंबे समय से उनकी बॉल स्ट्राइकिंग अच्छी थी, लेकिन इस राउंड में उनकी पुटिंग भी बेहतरीन रही। उन्होंने यह भी बताया कि पीठ की चोट के कारण उन्हें करीब साढ़े तीन साल का लंबा ब्रेक लेना पड़ा था, लेकिन अब वह पूरी तरह फिट हैं। इस दौरान उन्हें अपने स्विंग में बदलाव करना पड़ा, जो अब धीरे-धीरे उनके खेल में सेट हो रहा है।

सुनीत ने अपने मुश्किल समय में परिवार और खासकर अपने चाचा के सहयोग को अहम बताया, जिनकी सलाह और समर्थन उनके लिए काफी महत्वपूर्ण रहा। कुल मिलाकर, टूनामेंट अब रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है और आगे के राउंड में मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है।

13 साल की खामोशी का अंत... ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

– दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 साल कोमा में रहने के बाद हरीश राणा ने मंगलवार को आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा है। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी प्रार्थना करने श्मशान घाट पहुंचे हैं। देश में इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित श्मशान घाट में किया जा रहा है। 13 साल तक कोमा में रहने के बाद उनके जीवन का यह लंबा और दर्दभरा अध्याय आखिरकार समाप्त हो गया। ग्रीन पार्क में अंतिम संस्कार के दौरान हरीश के परिवार के कई लोग मौजूद हैं। बुधवार को हरीश राणा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ग्रीन पार्क श्मशान घाट लाया गया, जहां परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में अंतिम विदाई दी जा रही है। 31 वर्षीय हरीश वर्ष 2013 से कोमा में थे। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक के छात्र थे और चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे। इस हादसे के बाद से वह लगातार कोमा में रहे और पूरी तरह चिकित्सा देखरेख पर निर्भर हो गए। अंतिम दिनों में हरीश राणा से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें ब्रह्म कुमारी के सदस्य हरीश के घर पर प्रार्थना करते नजर आए। उन्होंने आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की और उन्हें शांति से विदा होने की कामना की। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी श्मशान घाट पहुंचे हैं। वे यहां प्रार्थना करेंगे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद उन्हें पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने की इजाजत दी थी, ताकि उन्हें प्राकृतिक मृत्यु मिल सके। इसके तहत उन्हें इस महीने की शुरुआत में गाजियाबाद स्थित घर से दिल्ली के एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। हरीश के पिता अशोक राणा ने इस फैसले को 'बेहद दर्दनाक लेकिन जरूरी' बताया था। पिछले 13 सालों से उनका परिवार हर संभव प्रयास करता रहा। आर्थिक और मानसिक दबाव के बावजूद परिवार ने उनका इलाज जारी रखा, यहां तक कि इलाज के लिए अपना घर तक बेच दिया।

महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या हो जाएंगी 816

-यूपी में 120 तो महाराष्ट्र में 72 और बिहार से चुने जाएंगे 60 सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण को लेकर सरकार ने बीते लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कानून पारित किया था, लेकिन अब उसमें संशोधन करने की तैयारी कर रही है। ऐसा इसलिए ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में इसे लागू किया जा सके। यही नहीं इस संबंध में जल्द ही संशोधन विधेयक लाया जा सकता है। यदि आने वाले लोकसभा चुनाव में ही महिला आरक्षण को लागू किया गया तो फिर राज्यों में सीटों का समीकरण भी बदलेगा। महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या 816 हो सकती है। फिलहाल 543 सीटें हैं। कुल 816 सीटों में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। राज्यों की बात करें तो पहले की तरह ही सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें यूपी में होंगी। यहां 120 सांसद चुने जा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में सीटों की संख्या 40 से बढ़कर 60 हो सकती है। अब तक 48 सांसद दिल्ली भेजने वाले महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों की संख्या 72 हो सकती है। फिलहाल दक्षिण भारत के राज्यों की जो चिंता है कि उनकी सीटें कम हो सकती हैं। उसका भी ध्यान रखा गया है और 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीटों की संख्या तय होगी। इसीलिए अभी जो सीटों का अनुपात है, उसके मुताबिक सीटें जुड़ेंगी। इस तरह भले ही सीटों की संख्या यूपी, बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बढ़ जाएगी, लेकिन उनके अनुपात में कोई बदलाव नहीं आएगा।

जानकारी के मुताबिक महिला आरक्षण में संशोधन के लिए सरकार विपक्ष से बात कर रही है। इसकी जिम्मेदारी कई नेताओं के पास है और गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई विपक्षी दलों से बात की है। सूत्रों का कहना है कि विपक्ष को भरोसा दिलाया है कि 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीट संख्या तय होगी। इसके तहत यूपी की 120 सीटें होंगी और इनमें से 33 फीसदी यानी 40 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। ऐसे ही महाराष्ट्र में 72 सीटें होंगी और 24 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। पश्चिम बंगाल की सीटें 42 से बढ़कर 63 हो सकती हैं और इनमें से 21 महिलाओं के लिए रहेंगी। इसी तरह बिहार में महिलाओं के लिए 20 सीटें होंगी।

तमिलनाडु में कुल लोकसभा सीटें 39 से बढ़कर 59 हो सकती हैं। इनमें से 20 महिलाओं के लिए रहेंगी।

इसी तरह मध्य प्रदेश में 44 सीटें हो सकती हैं और इनमें से 15 महिलाओं के लिए रहेंगी। नए समीकरणों के तहत अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा जैसे छोटे राज्यों की सीटें भी 2 से बढ़कर 3 हो सकती हैं। मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम में भी दो सीटें बढ़ सकती हैं। फिलहाल इन राज्यों से एक ही सांसद चुना जाता है। ऐसे ही दिल्ली के सांसदों की संख्या 11 हो सकती है, जिनमें से 4 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। जम्मू-कश्मीर में सीटों की संख्या 5 से बढ़कर 8 हो जाएगी और महिलाओं के लिए तीन सीटें रहेंगी।

रेलवे लाइन से जुड़े मार्गों पर चलेगा सफाई अभियान, नगर आयुक्त ने रेलवे अधिकारियों के साथ की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम मुख्यालय पर रेलवे विभाग अधिकारियों तथा नगर निगम अधिकारियों के बीच बैठक हुई। बैठक में शहर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और योजना बनाई गई। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक तथा रेलवे विभाग से प्रेम शंकर झा वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक दिल्ली उपस्थिति हुए। रेलवे ट्रैक से गुजरने वाले मार्ग की साफ सफाई का कार्य अभियान के रूप में किया जाएगा। ऐसे वार्ड जहां पर रेलवे की भूमि आ रही है, उन पर भी सफाई अभियान चलाया जाएगा। सफाई अभियान चलाने के लिए नगर निगम और रेलवे विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे। बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, समस्त जोन के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक व वरिष्ठ अधिकारी स्वास्थ्य विभाग के उपस्थित रहे। इसके अलावा रेलवे विभाग से सहायक मंडल अभियंता दीपक मीणा, वरिष्ठ खंड अभियंता रजनीश उपस्थित रहे।नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग तथा रेलवे विभाग

शहर की स्वच्छता के लिए संयुक्त अभियान चलाकर कार्य करेगा, जिसमें नालों की सफाई से लेकर रेलवे ट्रैक के समीप फैली हुई गंदगी को साफ करने का कार्य संयुक्त अभियान के रूप में किया जाएगा। रेलवे की भूमि पर भी सफाई का कार्य अभियान के रूप में किया जाएगा, इसके लिए रेलवे के अधिकारी और नगर निगम के अधिकारी संयुक्त निरीक्षण करते हुए स्थान का चिन्हीकरण करेंगे। कार्य योजना बनाने के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी व मुख्य अभियंता निर्माण प्रतिदिन रेलवे विभाग टीम तथा नगर निगम टीम गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत कार्य करेगी। इसी के साथ पुराने ऐसे समस्या जिनकी रेलवे और नगर निगम के समन्वय से निस्तारित होंगे, उन पर भी कार्य किया जाएगा। बैठक में निर्माण विभाग से अधिशासी अभियंता विपुल कुमार भी उपस्थित रहे।

आईटीएस मोहननगर में मेधावी छात्रों के लिए भव्य मेरिटोरियस अवार्ड सेरेमनी आयोजित

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस मोहननगर में बीबीए एवं बीसीए प्रथम व द्वितीय वर्ष के मेधावी छात्रों के सम्मान में भव्य मेरिटोरियस अवार्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना तथा सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करना रहा। संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष इन पाठ्यक्रमों के शीर्ष 10 प्रतिशत छात्रों को यह सम्मान प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, प्राचार्या डॉ. नैन्सी शर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. विदुषी सिंह एवं बीबीए विभागाध्यक्ष प्रो. आदिल खान सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन के साथ ही पूरे परिसर में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का माहौल बन गया। वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने अपने संबोधन में सम्मानित छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी निरंतर मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. नैन्सी शर्मा ने बदलते समय की चुनौतियों के प्रति सजग रहने और स्वयं को निरंतर विकसित करने का संदेश दिया। उन्होंने आगामी शैक्षणिक सत्र की योजनाओं और नवाचारों पर भी प्रकाश डाला। समारोह के दौरान बीबीए प्रथम वर्ष के 30, द्वितीय वर्ष के 39, बीसीए प्रथम वर्ष के 36 तथा द्वितीय वर्ष के 46 छात्रों को मेरिट अवॉर्ड प्रदान किए गए। छात्रों को विश्वविद्यालय में उनके प्रदर्शन के आधार पर तीन श्रेणियों में विभाजित कर क्रमशः ₹7500, ₹5000 एवं ₹2500 के नकद पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने अपने बच्चों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। समारोह ने न केवल छात्रों की सफलता का उत्सव मनाया, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का कार्य किया। कार्यक्रम का समापन डीन एकेडमिक्स डॉ. विदुषी सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्रों का आभार व्यक्त किया।

नवप्रवेशी बच्चों के स्वागत में नवारंभ उत्सव का आयोजन

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम बसंतपुर सैंथली स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में बाल वाटिका एवं स्कूल अभिनंदन समारोह नवारंभ उत्सव का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा नवप्रवेशी बच्चों एवं उनके अभिभावकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सिम्पल चौधरी, टिंकू कंसल एवं कशिश त्यागी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान कशिश त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि नन्हे बच्चों की शिक्षा का प्रारंभ उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव होता है। विद्यालय और अभिभावकों के बीच समन्वय से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और विद्यालय के प्रति अपनत्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने

अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र छात्राओं एवं आंगनबाड़ी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। अंत में मुख्य अतिथियों ने सभी बच्चों को आगामी कक्षा के लिए शुभकामनाएं दीं तथा नवप्रवेशी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

सीकरी खुर्द महामाया देवी मेले में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, सप्तमी पर लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। प्रसिद्ध एवं पौराणिक सीकरी खुर्द स्थित महामाया देवी मेले में इस वर्ष भी आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिल रहा है। बीती रात्रि से लेकर बुधवार को सप्तमी की शाम तक मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और लाखों श्रद्धालुओं ने माता महामाया देवी के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। पूरे मेला क्षेत्र में माता रानी के जयकारों की गूंज से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। मेले में उमड़ी अपार भीड़ के चलते यातायात व्यवस्था भी प्रभावित रही। मेले तक पहुंचने का मुख्य मार्ग सीकरी रोड, जो दिल्ली मेरठ मार्ग से जुड़ा हुआ है, पूरे दिन वाहनों के दबाव के कारण अवरुद्ध सा रहा। स्थिति यह रही कि दिल्ली मेरठ मार्ग पर भी रुक रुक कर यातायात चलता रहा। प्रशासन द्वारा यातायात को सुचारु बनाए रखने के प्रयास लगातार जारी रहे, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने के कारण दबाव बना रहा।

अष्टमी के अवसर पर बृहस्पतिवार को मेले में श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। यद्यपि मेले में पहुंचने के लिए अन्य वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध हैं, लेकिन अधिकांश श्रद्धालु सीकरी रोड का ही उपयोग करते हैं, जिससे इस मार्ग पर अधिक दबाव देखने को मिलता है। मेले में न केवल स्थानीय क्षेत्र बल्कि हरियाणा, दिल्ली और आसपास के जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्रॉली और अन्य वाहनों के माध्यम से समूहों में मेले में पहुंचते दिखाई दिए। विशेष रूप से महिलाओं के समूह माता रानी के भजन गाते हुए मेले की ओर बढ़ते नजर आए, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे और पूरे वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना रहे थे।

श्रद्धालु माता महामाया देवी को नारियल और सबोनी का प्रसाद अर्पित कर अपनी मन्नतें मांग रहे हैं। इसके साथ ही मेला परिसर में स्थित ऐतिहासिक वट वृक्ष, जिसे आजादी का प्रतीक भी माना जाता है, वहां श्रद्धालु कलावा बांधकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना कर रहे हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और आज भी श्रद्धालु पूरे विश्वास के साथ इसका निर्वहन करते हैं। धार्मिक आस्था के इस विशाल आयोजन में स्थानीय व्यापार भी पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। मेले में लहसुन और मिट्टी के बर्तनों की दुकानों पर अच्छी खासी भीड़ देखी जा रही है। इसके अलावा जलेबी और खजला जैसे पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए भी श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखा गया। मेले का मुख्य आकर्षण सप्तमी और अष्टमी के दिन रहता है, जब श्रद्धालुओं की सबसे अधिक भीड़ उमड़ती है। इसके बाद नवमी की शाम को विधिवत रूप से मेले का समापन किया जाता है। मेले की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। उपजिलाधिकारी अजीत सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा स्वयं मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिस और यातायात कर्मियों की तैनाती की गई है तथा समय समय पर उनकी निगरानी भी की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो और श्रद्धालु शांतिपूर्वक दर्शन कर सकें।

70 प्लस बैडमिंटन में हापुड़ के सुधीर गोयल का कमाल, राष्ट्रीय स्तर पर टॉप 8 में बनाई जगह

हापुड़ (शिखर समाचार)। गोवा में आयोजित 48वीं मास्टर (वेटरन) राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में हापुड़ निवासी वरिष्ठ खिलाड़ी सुधीर गोयल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 70 प्लस आयु वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर टॉप 8 खिलाड़ियों में स्थान बनाकर जिले और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। बैडमिंटन कोच पुनीत शर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में सुधीर गोयल ने यूपी का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। वे इससे पहले भी राज्य स्तर पर कई पदक जीत चुके हैं और आज भी प्रतिदिन 2 से 3 घंटे नियमित अभ्यास करते हैं। उनके इस प्रदर्शन को देखते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय टीम में चयन की संभावना जताई जा रही है। हापुड़ पहुंचने पर उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सदर विधायक विजयपाल आढ़ती सहित अन्य शुभचिंतकों ने फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करना प्रेरणादायक है और युवाओं को उनसे सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक जय प्रकाश, पूर्व डीजीसी क्राइम कृष्ण कांत गुप्ता, कोच पुनीत शर्मा, पंकज अग्रवाल, जतिन गुप्ता, प्रभात अग्रवाल, जय कुमार, हीरा लाल केन, आयुष शर्मा, सचिन गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

वित्त अधिनियम 2025 के विरोध में पेंशनर्स का जोरदार प्रदर्शन, काला दिवस मनाकर सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। वित्त अधिनियम 2025 के विरोध में पेंशनर्स ने एकजुट होकर जोरदार प्रदर्शन किया और इसे काला दिवस के रूप में मनाते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान पेंशनर्स ने अधिनियम की कई धाराओं को भेदभावपूर्ण और जनविरोधी बताते हुए उन्हें तत्काल निरस्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लाए गए इस अधिनियम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे उनमें गहरी नाराजगी व्याप्त है। पेंशनर्स ने अपने संबोधन में 8वें वेतन आयोग में उनके हितों की अनदेखी किए जाने पर भी कड़ा रोष व्यक्त किया। उनका कहना था कि वर्षों तक सेवा देने के बाद भी उन्हें अपेक्षित सम्मान और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने पुरानी पेंशन

योजना को पुनः लागू करने की मांग करते हुए कहा कि यह योजना कर्मचारियों के बुढ़ापे की आर्थिक सुरक्षा का आधार है, जिसे समाप्त करना अन्यायपूर्ण है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अपने आंदोलन को और व्यापक और उग्र रूप देने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में बड़े स्तर पर धरना-प्रदर्शन और जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

इस दौरान किरणपाल सिंह, शिवराज सिंह, महेश चंद शर्मा, आरपी शुक्ला, विनोद कुमार अत्री सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में अपनी मांगों को दोहराया।

युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कर रहे देश का नाम रोशन : उमेश मलिक

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के खेल मानचित्र पर तेजी से उभरते बुढ़ाना क्षेत्र में मेरठ करनाल राजमार्ग स्थित प्यारे जी महाराज स्पोर्ट्स एकेडमी में जूनियर नेशनल मिक्स्ड नेटबॉल चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। इस राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आई पुरुष एवं महिला टीमें अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मैदान में उतरीं, जिससे पूरे क्षेत्र में खेलमय वातावरण बना रहा। बुधवार को पूर्व भाजपा विधायक उमेश मलिक ने प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज का युवा खेलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहा है,

जो पूरे राष्ट्र के लिए गर्व की बात है। उमेश मलिक ने कहा कि सरकार की खेल प्रोत्साहन नीतियों के कारण अब ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे हार-जीत की चिंता किए बिना खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और खेल के माध्यम से अपने भविष्य को संवारें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने गुजरात और मेघालय की टीमों के बीच टॉस कराकर प्रतियोगिता की औपचारिक शुरूआत कराई। जैसे ही खिलाड़ी मैदान में उतरे, उनके जोश और ऊर्जा ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर नेटबॉल फेडरेशन के चेयरमैन हरिओम कौशिक, पूर्व प्रधान बबलू कुमार, प्रमोद शर्मा, बसंत कुमार, विकास शर्मा, जितेंद्र बालियान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर आयोजकों में भी खासा उत्साह देखा गया।

शराब की दुकान में चोरी करने वाला हेल्पर ही निकला चोर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर थाना पुलिस ने ग्राम ढक्का करमचंद स्थित एक अंग्रेजी शराब की दुकान में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए चौंकाने वाला मामला सामने लाया है। पुलिस जांच में पता चला कि चोरी किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि दुकान के ही हेल्पर ने अंजाम दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की शराब और नकदी बरामद कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 15 मार्च को नगीना रोड निवासी प्रशांत कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि ग्राम ढक्का करमचंद स्थित उनकी अंग्रेजी शराब की दुकान से अज्ञात चोरों द्वारा भारी मात्रा में शराब की बोतलें और करीब 10 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली गई है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान पुलिस ने दुकान से जुड़े लोगों और संदिग्धों से पूछताछ की। इसी क्रम में दुकान के हेल्पर राजीव कुमार की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, तो उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि लालच में आकर उसने ही योजना बनाकर दुकान से शराब और नकदी चोरी की थी। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने गन्ने के खेत में छिपाकर रखी गई चोरी की शराब और नकदी बरामद कर ली। बरामद सामान में विभिन्न ब्रांड की 30 बोतलें, 8 पीएम ब्रांड की 24 फ्रूटी पैक तथा 5 हजार रुपये नकद शामिल हैं। धामपुर थाना पुलिस के अनुसार आरोपी राजीव कुमार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

खतौली में नए एसडीएम के रूप में ललित कुमार मिश्रा ने संभाला कार्यभार, दिए पारदर्शिता के निर्देश

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। ललित कुमार मिश्रा को खतौली का उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नियुक्त किया गया है। उन्होंने कार्यभार ग्रहण करते ही अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक कर विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा जनहितकारी बनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध और निष्पक्ष रूप से पहुंचना चाहिए। ललित कुमार मिश्रा ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचाना प्राथमिकता होगी, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रह सके। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को भी कहा।

कंपोजिट विद्यालय गोयना में 'बाल वाटिका नवारंभ उत्सव' आयोजित, अभिभावकों ने किया कक्ष का भ्रमण

हापुड़ (शिखर समाचार)। मोदीनगर रोड स्थित कंपोजिट विद्यालय गोयना में बुधवार को बाल वाटिका नवारंभ उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भाग लिया और बाल वाटिका कक्ष का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। प्रधानाध्यापक बिजेन्द्र कुमार ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य 3 वर्ष के बच्चों का बाल वाटिका में नामांकन और बाल वाटिका पूर्ण कर चुके बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश सुनिश्चित करना है। समारोह के दौरान अभिभावकों ने विद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। नव प्रवेशित बच्चों को उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया, जिससे बच्चों और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर शिक्षिका ममता त्यागी, नीलम रानी, प्रियंका गुप्ता, सीमा मलिक, अमिता अग्रवाल, रुबी सहरावत सहित अभिभावकगण उपस्थित रहे।

बक्सर की साप्ताहिक पैठ का वार्षिक ठेका सात लाख में छोड़ा गया

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के बक्सर गांव में शुक्रवार को लगने वाली साप्ताहिक पैठ का वार्षिक ठेका सात लाख रुपये की सर्वाधिक बोली पर शाबू के नाम छोड़ा गया। नीलामी प्रक्रिया में अनिल कुमार ने दूसरी सबसे बड़ी बोली लगाई।

साप्ताहिक पैठ के ठेके की नीलामी ग्राम पंचायत बक्सर में ग्राम प्रधान सारुख की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान खुली नीलामी प्रक्रिया अपनाई गई, जिसमें ग्रामीणों और बोलीदाताओं की मौजूदगी में पारदर्शिता के साथ ठेका छोड़ा गया। नीलामी के दौरान एडीओ पंचायत संजय चौधरी, ग्राम पंचायत अधिकारी अवनीश सिंह, राजीव कश्यप सहित पंचायत सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। इसके अलावा धन सिंह, योगेंद्र शर्मा, नरेश मित्तल, अनिल कुमार, विनोद त्यागी, जितेंद्र, महेंद्र गोयल (चक्की वाले), राजीव गोयल, प्रिन्स, चंद्रपाल सिंह, मनोज, कासिम, बिट्टू, गुरमीत और सतीश जैन सहित कई लोग मौजूद रहे।

इस मौके पर अधिकारियों ने बताया कि साप्ताहिक पैठ के संचालन से ग्राम पंचायत की आय में वृद्धि होगी, जिससे गांव के विकास कार्यों को गति मिलेगी।

रिंकू सिंह जॉइनिंग लेटर लेने नहीं पहुंचे

योगी बोले- कैंप में बिजी हैं; चुटकी ली- हमारे होम सेक्रेटरी भी गुल्ली-डंडा खेल चुके

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी लखनऊ में मंगलवार शाम यूपी के 5 खिलाड़ियों को जॉइनिंग लेटर सौंपे। साथ ही 40 खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए। इनमें क्रिकेटर रिंकू सिंह भी शामिल हैं। उन्हें खेल अफसर (RSO) बनाया गया है। हालांकि, रिंकू सिंह जॉइनिंग लेटर लेने कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। इस पर योगी ने कहा कि रिंकू सिंह पहले से किसी कैंप का हिस्सा हैं। वह वहीं गए हुए हैं। इसलिए यहां नहीं आ सके। उनका नियुक्ति पत्र यहां रखा है, उन्हें बाद में दिया जाएगा। खिलाड़ियों को जॉइनिंग लेटर देने के दौरान योगी मजाक के मूड में भी रहे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा- हमारे होम सेक्रेटरी भी गुल्ली-डंडा खेल चुके हैं। चौका-छक्का कहीं भी लगे, गेंद और बल्ला यूपी का होता है। गाजीपुर के राजकुमार पाल को पुलिस विभाग में DSP बनाया गया है। ओलंपिक में पदक जीतने वाले नोएडा के प्रवीण कुमार, इटावा के अजीत सिंह और गाजियाबाद के सुमिरन को पंचायती राज अधिकारी का जॉइनिंग लेटर मिला। वहीं, मुजफ्फरनगर की रहने वाली प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी बनाया गया। खेल निदेशक आरपी सिंह ने बताया- जिन खिलाड़ियों को नौकरी मिली, उनमें रिंकू सिंह टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा रह चुके हैं। वहीं, राजकुमार पाल ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे हैं। इसके अलावा, पेरिस ओलंपिक में प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद में स्वर्ण पदक, अजीत सिंह ने भाला फेंक में रजत पदक और सुमिरन ने 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। मुजफ्फरनगर की रहने वाली प्रीतिपाल ने पैरा एथलेटिक्स में 100 और 200 मीटर में कांस्य पदक जीता है। सीएम योगी ने कहा- इन खिलाड़ियों ने देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्हें सम्मानित करना गर्व की बात है। खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए सरकार ने 200 करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। इससे उन्हें बेहतर सुविधाएं और अवसर मिलेंगे। अब पुरस्कार राशि बढ़ाने का समय है। अगले साल से पुरस्कारों की राशि 10-10 लाख रुपए की जाएगी। अभी यह 3.11 लाख रुपए है। नारी सम्मान और युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण सीएम ने कहा- हम नवरात्र के 9 दिनों में शक्ति के विभिन्न स्वरूपों की पूजा करते हैं। यह परंपरा समाज में नारी के सम्मान को बनाए रखने का संदेश देती है। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, तत्र देवता रमन्ते। जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। नारी की गरिमा और उनके स्वावलंबन को सशक्त करना हमारी प्राथमिकता है। जब युवा शक्ति आगे बढ़ती है, तो वह राष्ट्र की प्रगति का आधार बनती है। युवा और महिलाएं खेल की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ा रही हैं। सही मंच मिले तो ओलंपिक में भी पदक दिला सकते हैं योगी ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल हमारी गुरुकुल और आश्रम परंपरा का भी अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसा 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य सिर्फ जनसंख्या नहीं, देश की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां करीब 56 प्रतिशत आबादी युवा है, जो प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है। यही शक्ति कभी बीमारू कहे जाने वाले प्रदेश को आज देश के विकास का इंजन बनाने में योगदान दे रही है। उचित मंच और अवसर मिलने पर यही युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, यहां तक कि ओलंपिक में भी पदक दिलाने की क्षमता रखते हैं। मैंने अपनी विधायक निधि से मिनी स्टेडियम बनवाया योगी ने कहा- मैंने अपने क्षेत्र के स्पोर्ट्स मिनी स्टेडियम के लिए विधायक निधि से धन उपलब्ध कराया है। जहां बच्चे नियमित रूप से खेलते हैं। हमारा लक्ष्य है कि हर जनपद स्तर पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेडियम हो। मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण पूरा हो चुका है। जल्द ही उसका लोकार्पण किया जाएगा। 2030 की तैयारी, यूपी के खिलाड़ी करेंगे देश का नेतृत्व सीएम ने कहा कि हम अभी से 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी कर रहे हैं। हमारा विश्वास है कि उस समय उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी देश का नेतृत्व करेंगे। अगर भारत में ओलंपिक होता है, तो यूपी के युवा अधिक से अधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। पैरा एथलीट बोले- यूपी जल्द बनेगा स्पोर्ट्स पावर इटावा के रहने वाले और पैरा एथलीट अजीत सिंह को यूपी सरकार ने जिला पंचायत राज अधिकारी (DPRO) के पद पर नियुक्त किया है। इस मौके पर कहा- यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गर्व की बात है। यूपी में सरकार जिस तरह से स्पोर्ट्स पॉलिसी पर काम कर रही, उसका असर अब ग्रासरूट स्तर पर दिखने लगा है। आने वाले 4 से 6 साल में उत्तर प्रदेश भी हरियाणा की तरह खेलों में मजबूत राज्य बन जाएगा। DSP बने राजकुमार बोले- खिलाड़ियों को मिल रहा सपोर्ट गाजीपुर के अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल को पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद पुलिस उपाधीक्षक (DSP) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा- मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। प्रदेश सरकार की स्पोर्ट्स पॉलिसी से खिलाड़ियों को अच्छा सपोर्ट मिल रहा। मुझे लगता है कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स का हब बन सकता है। फिलहाल मेरा पूरा ध्यान आने वाले टूनामेंट पर है। मैं उसमें अच्छा प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करना चाहता हूं।BDO बनीं प्रीति ने कहा- देश के बाद अब विभाग को भी 100% देंगे प्रीति पाल ने कहा कि बीडीओ बनने पर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है। अब तक हम देश के लिए 100 फीसदी देते थे, अब विभाग के लिए भी पूरी मेहनत से काम करेंगे।

एनएच 9 पर दौड़ती कार बनी आग का गोला, सवारों ने कूदकर बचाई जान

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के बाबूगढ़ थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 9 पर उस समय अफरा तफरी मच गई, जब चलती इकोस्पोर्ट कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार में सवार लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार सबा खान और शहाब अहमद गुड़गांव से बुगरासी जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार ग्राम उपेड़ा के पास पहुंची, तभी अचानक वाहन से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते कार आग की लपटों में घिर गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और आग के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

संदिग्ध हालात में बुजुर्ग दंपति की मौत, पोस्टमार्टम को भेजे गए शव

बिजनौर (शिखर समाचार)। कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव मसूरी में एक बुजुर्ग दंपति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। मामले में जहां परिजन इसे हत्या बता रहे हैं, वहीं पुलिस प्रथम दृष्टया इसे ट्रांसफार्मर हादसा मान रही है।

गांव मसूरी निवासी 75 वर्षीय जीराज सिंह अपनी 70 वर्षीय पत्नी रामरती देवी के साथ गांव से बाहर बने मकान में रहते थे। उनके दोनों बेटे अपने अपने परिवारों के साथ गांव के अंदर पुश्तैनी घर में निवास करते हैं। बताया गया कि मंगलवार रात करीब 9 बजे घर के पास से शोर सुनाई दिया। आवाज सुनकर बेटा दिनेश कुमार मौके पर पहुंचा तो देखा कि उसके पिता जीराज सिंह घर के बाहर सड़क पर बेहोशी की हालत में पड़े थे।

परिजन उन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां कुछ ही देर में उनकी मृत्यु हो गई। वहीं घर के अंदर बिस्तर पर रामरती देवी मृत अवस्था में मिलीं। एक ही परिवार के दो लोगों की एक साथ मौत से क्षेत्र में दहशत और चर्चा का माहौल बन गया।

मृतक के बेटे दिनेश कुमार ने आरोप लगाया कि अज्ञात बदमाशों ने उसके माता पिता की गला दबाकर हत्या की है। उनका कहना है कि परिवार को बुधवार को पास के गांव सदुपुरा में भात देने जाना था, जिससे घर में नकदी होने की आशंका बदमाशों को रही होगी। हालांकि घर में 8300 रुपये सुरक्षित मिले, जबकि अधिक रकम पहले ही दूसरे घर में रख दी गई थी। परिजनों का मानना है कि नकदी न मिलने से नाराज बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और पहचान उजागर होने के डर से दोनों की हत्या कर दी।वहीं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रकाश कुमार के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला ट्रांसफार्मर से जुड़े हादसे का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि मृतक के घर के पास ट्रांसफार्मर लगा है और मौके से धातु का एक टुकड़ा भी बरामद हुआ है। उनका कहना है कि जीराज सिंह की मौत के बाद रामरती देवी की मौत सदमे के कारण हो सकती है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

गोंडा में बड़े-बड़े डिब्बे लेकर लोग पेट्रोल पंप पहुंचे

रात में ही भीड़ लगी; प्रशासन बोला- अफवाह फैली, कोई कमी नहीं

गोंडा (एजेंसी) पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह पर ग्रामीण इलाकों के पेट्रोल पंपों पर भीड़ लग गई। बुधवार सुबह लोग बड़े-बड़े डिब्बे और वाहन लेकर पहुंच गए। इसके चलते पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइन लग गई। हालांकि, शहर में हालात सामान्य हैं।इधर, प्रदेशभर में पिछले 15 दिनों से गैस सिलेंडर की किल्लत जारी है। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी हैं। वृंदावन के जगन्नाथ मंदिर में चलने वाली रसोई सेवा बंद कर दी गई। यहां हर करीब 400 लोग भोजन करते थे। अफसरों का दावा है कि सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। लोगों के पैनिक होने की वजह से दिक्कत आ रही है।हमीरपुर में गैस खत्म होने पर खाना न देने पर होटल संचालक को 10 से 12 युवकों ने पीट दिया। घटना मंगलवार शाम की है, लेकिन CCTV फुटेज आज सामने आया है। इसमें 1012 युवक संचालक को पीटते नजर आ रहे हैं।महराजगंज के सिसवा में मंगलवार शाम एक पेट्रोल पंप पर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। दरअसल, इलाके की तीन पेट्रोल पंपों पर तेल खत्म हो गया था, इसलिए सिर्फ इसी पंप पर तेल मिल रहा था। अभी भी इन पंपों पर तेल नहीं मिल रहा है।हमीरपुर में गैस खत्म होने पर खाना न देने पर होटल संचालक को मंगलवार शाम पीट दिया गया। इसका CCTV फुटेज सामने आया है। इसमें 10-12 युवक संचालक को पीटते नजर आ रहे हैं।होटल संचालक प्रवीण ने बताया कि कुछ युवक देर रात खाना खाने होटल पहुंचे थे। उस समय होटल में गैस खत्म हो गई थी, इसलिए उन्होंने खाना देने से मना कर दिया। इस पर आरोपी भड़क गए और उनके साथ जमकर मारपीट की। आरोपियों ने उनके कपड़े भी फाड़ दिए।वृंदावन के जगन्नाथ मंदिर में चलने वाली रसोई सेवा बंद कर दी गई है। यहां रोज करीब 400 लोग भोजन करते थे। बाहर एक नोटिस चस्पा किया गया है, जिसमें लिखा है कि 30 मार्च तक सेवा बंद रहेगी।आगरा में गैस एजेंसियों पर LPG सिलेंडर लेने के लिए लाइनें लगी हुई हैं। दूसरी ओर कमर्शियल सिलेंडर की भी मारामारी चल रही है। कई होटलों ने खाना बनाना और रेस्टोरेंटों में नाश्ता बंद कर दिया है।वाराणसी के जिला आपूर्ति अधिकारी केबी सिंह का कहना है कि तेल की कहीं कोई कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।

गोंडा में पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह पर ग्रामीण इलाकों के पेट्रोल पंपों पर भीड़ लग गई। बुधवार सुबह लोग बड़े-बड़े डिब्बे और वाहन लेकर पहुंच गए। इसके चलते पेट्रोल पंपों पर लंबी लाइन लग गई। हालांकि, शहर में हालात सामान्य हैं।

अगर आपके घर में पाइप्ड नेचुरल गैस (PNG) कनेक्शन है, तो अब आपको अपना LPG सिलेंडर को सरेंडर करना होगा। देश में गहराते गैस संकट के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने सप्लाई के नियमों में बड़ा बदलाव किया है।नए आदेश के मुताबिक, PNG यूजर्स को न तो नया LPG कनेक्शन मिलेगा और न ही पुराना सिलेंडर रिफिल होगा। सरकार इससे पहले सप्लाई को लेकर 9 दिन में 3 बार नए नियम जारी कर चुकी है। सरकार चाहती है कि जिनके पास पीएनजी का विकल्प है, वे सिलेंडर छोड़ दें ताकि सिलेंडर उन लोगों तक पहुंच सके जिनके पास और कोई ऑप्शन नहीं है। शनिवार को नोटिफिकेशन जारी में कहा गया था कि जिनके पास दोनों कनेक्शन हैं, वे तुरंत नजदीकी LPG डिस्ट्रीब्यूटर या कंपनी के पोर्टल पर जाकर कनेक्शन सरेंडर करें। सरेंडर करने पर जुमार्ना नहीं लगेगा, लेकिन नियम तोड़ने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

संक्षिप्त डायरी

गुजरात में यूसीसी की सुगबुगाहट से बौखलाए मौलाना शहाबुद्दीन

"गुजरात म समान नागरिक संहिता सीधे तौर पर
शरीयत में दखलंदाजी... समाज का ताना-बाना बिखर
मौलाना शहाबुद्दीन रज़वी बरे

बरेली (एजेंसी)। सरकार द्वारा समान नागरिक संहिता लागू करने की कवायद के बीच 'ऑल इंडिया मुस्लिम जमात' ने कड़ा रुख अपनाया है। जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बयान जारी कर कहा कि समान नागरिक संहिता सीधे तौर पर शरीयत में मुदाखिलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुस्लिम समाज को यह कानून मंजूर नहीं है। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि गुजरात विधानसभा में पेश किए गए मुसव्वदे (ड्राफ्ट) की जो जानकारी सामने आई है, वह चिंताजनक है। इसके अनुसार, तलाक का अधिकार पुरुषों के साथ महिलाओं को भी दिया जाएगा, जबकि हलाला और इद्दत पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। इसके अलावा एक शादी की अनिवार्यता और दो बच्चों का नियम जैसे प्रावधान शामिल हैं। मौलाना ने कहा कि ये बातें सीधे तौर पर कुरान और हदीस के खिलाफ हैं। इन कानूनों का पालन न करने पर सरकारी योजनाओं से वंचित करने की चेतावनी देना भी अनुचित है। मौलाना बरेलवी के अनुसार, यह समस्या सिर्फ मुसलमानों के लिए ही नहीं, बल्कि देश के अन्य समुदायों के लिए भी खड़ी होगी। उन्होंने तर्क दिया कि देश की आजादी के 79 सालों से संविधान, आईपीसी, फौजदारी और व्यक्तिगत कानून (Personal Laws) प्रभावी ढंग से लागू हैं, इसलिए अलग से यूसीसी की कोई आवश्यकता नहीं है। लॉ कमीशन की बदली भूमिका पर उठाए सवाल 21वें लॉ कमीशन की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि पहले इसे 'गैर-जरूरी' करार दिया गया था, लेकिन 22वें लॉ कमीशन द्वारा दोबारा विचार-विमर्श करना हैरान करने वाला है। मौलाना ने सवाल उठाया कि महज एक साल के भीतर कमीशन की राय इस तरह कैसे बदल गई? यह देश के नागरिकों के लिए अचंभे की बात है। अहमदाबाद में बनेगी आंदोलन की रणनीति मौलाना ने घोषणा की कि यूसीसी का देशव्यापी विरोध किया जाएगा। इसके लिए जल्द ही अहमदाबाद (गुजरात) में धार्मिक उलेमाओं और बुद्धिजीवियों की बड़ी बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें आंदोलन की रणनीति तैयार होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विरोध प्रदर्शन पूरी तरह से लोकतांत्रिक ढांचे और कानून के दायरे में रहकर किया जाएगा।

कानपुर में सेप्टिक टैंक में उतरे बाप-बेटे की मौत:साढ़े 3 बजे सुबह गैस की चपेट में आए

कानपुर (एजेंसी)। सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय बाप-बेटे की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही एसीपी कल्याणपुर, डीसीपी वेस्ट सहित एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने करीब एक घंटे तक रेस्क्यू कर 3 लोगों को बाहर निकाला। फिर पुलिस ने सभी को हैलट हॉस्पिटल भेजा। जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। मरने वाले बाप और बेटे हैं। कर्नलगंज थाने क्षेत्र के रहने वाले इरफान ने बताया- रात में कल्याणपुर के गोवा गार्डन में बने शिव कृपा अपार्टमेंट अपार्टमेंट में अपने ससुर जावेद (52) और साले आबिद (21) के साथ सेप्टिक टैंक साफ करने पहुंचा था। रात में करीब साढ़े 12 बजे के आसपास हमने पूरा सेटअप लगाया और सफाई करने तीनों लोग अंदर चले गए। पहले राउंड की सफाई करने के बाद हम तीनों बाहर आ गए। इसके बाद करीब 2 बजे दोबारा से अंदर सफाई करने के लिए सेप्टिक टैंक में उतरे। दूसरे राउंड में जावेद और आबिद और गहराई में चले गए। जिसके बाद वह उसी में फंस गए। इरफान ने बताया- काफी देर आहट न मिलने पर मैं भी अंदर गया। इस दौरान मेरा भी सिर थोड़ा चकराने लगा। मैं किसी तरह बाहर निकला और डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।जानकारी मिलते ही कल्याणपुर थाने का फोर्स मौके पर पहुंचा। कुछ देर बाद एसीपी कल्याणपुर आशुतोष, डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। कर्नलगंज के बकरमंडी के रहने जावेद के परिवार में पत्नी सूफिया, 12 साल का बेटा अब्दुल्ला और बेटी मंत्शा है। बेटी की शादी हो चुकी है।

मंगलसूत्र लूटने वाले का एनकाउंटर, महिला हाथ जोड़कर बोली-थैंक्यू सर

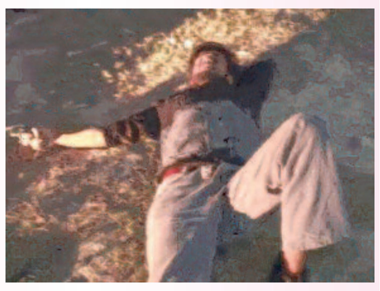

कानपुर (एजेंसी)। महिला सिविल डिफेंस कर्मी से मंगलसूत्र लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश को पैर में गोली मारकर पकड़ा गया, जबकि दूसरे को दौड़ाकर दबोच लिया गया। बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने महिला से उनकी शिनाख्त कराई। मंगलसूत्र बरामद होने पर महिला ने डीसीपी ईस्ट के सामने हाथ जोड़कर कहा– अच्छा सबक सिखाया, थैंक्यू सर उधर, एनकाउंटर के दौरान की एक फोटो भी चर्चा में है। फोटो में एक बदमाश फिल्मी अंदाज में जमीन पर लेटा नजर आ रहा है। उसके दाएं हाथ में तमंचा है, जबकि बायां हाथ सिर के पीछे रखे हुए है। पैर आराम से मोड़े हुए दिख रहा। पुलिस के मुताबिक, यह फोटो एनकाउंटर के बाद की है। दरअसल, चकेरी थाना क्षेत्र में 21 मार्च को एक घंटे के भीतर बदमाशों ने दो वारदात को अंजाम दिए थे। वे एक महिला का मंगलसूत्र और दूसरी महिला का पर्स छीनकर फरार हो गए थे। महिला सिविल डिफेंस कर्मी अनीता श्रीवास्तव, मंगला विहार प्रथम न्यू पीएसी लाइन में रहती हैं। 21 मार्च को IIT के पास एक कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। वहां से शाम 6 बजे लौटते समय मोहल्ले में मामा पीसीओ के पास सड़क पार कर रही थी। अचानक से दूसरी तरफ से बाइक सवार दो लुटेरे आ गए। झपट्टा मारकर गले से मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। महिला ने शोर मचाया और तत्काल डायल 112 पर लूट की सूचना दी। पुलिस पहुंची लेकिन बदमाशों का पता नहीं चल सका। महिला की शिकायत पर चकेरी थाने में लूट का मुकदमा दर्ज किया गया। उधर, इस वारदात के बाद चकेरी थानाक्षेत्र में ही करीब एक घंटे बाद बदमाशों ने एक और छिनैती की। शाम करीब 7 बजे बदमाश एक महिला का पर्स छीनकर भाग गए। हालांकि, इसकी शिकायत थाने में दर्ज नहीं कराई गई। चकेरी में एक घंटे के भीतर दो महिलाओं के साथ छिनैती की सूचना पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने चेकिंग शुरू कर दी लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका। डीसीपी ईस्ट सत्यजीत गुप्ता ने बताया- मंगलवार रात करीब साढ़े 11 बजे चकेरी पुलिस को सूचना मिली कि सनिगवां के अलखनंदा रेलवे ओवरब्रिज के बाद दो बाइक सवार युवक लूट की फिराक में है। चकेरी पुलिस ने घेराबंदी की। बाइक पर सवार दो बदमाश आते दिखे।

स्वास्थ्य केन्द्र का किया जाएं निरंतर निरीक्षण, अनुपस्थित कर्मियों पर करें कड़ी कार्यवाही : सीडीओ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की बैठक दुर्गावती सभागार विकास भवन में किया गया, जिसमे स्वास्थ्य विभाग से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों, शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायती राज विभाग आदि के द्वारा प्रतिभाग किया गया। साथ ही आयुष्मान भारत कार्यक्रम में जनपद में बनाये गये आयुष्मान कार्ड की भी समीक्षा की गयी, जिसमे शेष समस्त लाभार्थी जिनका आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बना है। राशन डीलर से समन्वय करते शीघ्र ही शेष समस्त लाभार्थियों को कार्ड बनाने हेतु आदेशित किया गया एवं जननी सुरक्षा योजना में लाभार्थी का शत-प्रतिशत भुगतान करने हेतु आदेशित किया। सभी चिकित्सालयों को ओपीडी बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया एवं जिन भी विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी की सर्जरी न्यूनतम है, उन्हें नोटिस जारी करने के आदेश दिए गये। जनपद के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को जिनके भी डाक्यूमेंट्स एनक्यूएएस सर्टिफिकेट के लिये पोर्टल पर अपलोड नहीं किये गये हैं समस्त को पोर्टल पर अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया की प्रतिमाह न्यूनतम दो बार जनपद स्तरीय अधिकारीयों के द्वारा औचक निरीक्षण किया जायेगा, उक्त निरिक्षण में अनुपस्थित कर्मियों पर कड़ी कारवाई की जाएगी। उक्त समीक्षा के दौरान आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से 4 बजे तक कार्य करने के आदेश दिया गया। साथ ही जिन केन्द्रों पर सीएचओ की तैनाती नहीं है, वहां एएनएम के द्वारा नियमित कार्य किये जाने के आदेश दिए गए। साथ ही केन्द्रों पर औषधि, टेस्ट किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु नोडल अधिकारी को आदेशित किया गया। जनपद में शेष बची आशा के रिक्त पदों पर अविलम्ब चयन करने के निर्देश दिए गए।

भाजपा की जिला कार्यकारिणी परिचय बैठक संपन्न, संगठन सशक्तिकरण पर जोर

शामली (शिखर समाचार)। जनपद शामली में भारतीय जनता पार्टी की नव निर्वाचित जिला कार्यकारिणी की परिचय बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोहित बेनीवाल उपस्थित रहे, जबकि वीरेंद्र सिंह भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री भूपेंद्र शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी पदाधिकारियों का परिचय कराते हुए कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया।

मुख्य अतिथि मोहित बेनीवाल ने अपने संबोधन में संगठन की मजबूती पर विशेष जोर देते हुए कहा कि भाजपा कार्यकताओं के समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के बल पर आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कड़ी है और उसकी सक्रिय भूमिका संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है।

उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दायित्व केवल पद नहीं, बल्कि संगठन की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का अवसर है। उन्होंने बूथ सशक्तिकरण को संगठन की आधारशिला बताते हुए प्रत्येक बूथ को मजबूत बनाने का आह्वान किया, ताकि संगठन की जड़ें और अधिक मजबूत हो सकें।

बैठक के दौरान केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने, सामाजिक माध्यमों और जनसंपर्क के जरिए संगठन को और सक्रिय बनाने तथा युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम का समापन संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय और जनहितकारी बनाने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर रामजीलाल कश्यप, विकास अग्रवाल, सुरेश कश्यप, हरवीर मलिक, पवन सिंह, राजेश मलिक, मानस संगल, कपिल पंवार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोहिउद्दीनपुर के पास दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर सर्विस रोड की मांग, सांसद ने एनएचएआई अध्यक्ष से की मुलाकात

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष यादव से मुलाकात कर मोहिउद्दीनपुर के पास दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे के निमार्णाधीन चरण 5 के दौरान आवश्यक स्थानों पर सर्विस रोड बनाए जाने की मांग उठाई है।

सांसद ने बताया कि भोजपुर थाना क्षेत्र में इन दिनों एक्सप्रेसवे के चरण 5 का निर्माण कार्य चल रहा है। इस निर्माण के चलते सर्विस रोड न होने के कारण आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने एनएचएआई अध्यक्ष को अवगत कराया कि जब से इस चरण का निर्माण शुरू हुआ है, तब से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों की समस्याएं बढ़ गई हैं। सांसद के अनुसार सर्विस रोड के अभाव में किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, जिससे उनका आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसके चलते किसानों को समय और आर्थिक दोनों तरह की हानि उठानी पड़ रही है। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और महिलाओं के लिए भी सुरक्षित आवागमन में जोखिम की स्थिति बन रही है। इसी समस्या को देखते हुए सांसद ने मांग की कि एक्सप्रेसवे के चरण 5 के निर्माण के दौरान आवश्यक स्थानों पर सर्विस रोड का निर्माण कराया जाए, ताकि आसपास के गांवों के लोगों की आवाजाही सुगम हो सके। इस संबंध में उन्होंने एनएचएआई अध्यक्ष को एक पत्र भी सौंपा है। सांसद का कहना है कि एनएचएआई अध्यक्ष की ओर से उन्हें आश्वासन मिला है कि इस समस्या पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस मांग को लेकर वह इससे पहले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से भी मुलाकात कर चुके हैं और क्षेत्र के लोगों की समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता सिमरन शर्मा का मोदीनगर में भव्य स्वागत, मिली पंचायत राज अधिकारी की नियुक्ति

मोदीनगर (शिखर समाचार)। पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली मोदीनगर की बेटी सिमरन शर्मा को मुख्यमंत्री की ओर से जिला पंचायत राज अधिकारी का नियुक्ति पत्र मिलने पर बुधवार को उनके मोदीनगर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। सिमरन शर्मा ने पैरालंपिक के अलावा एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं। पैरालंपिक खेलों में उन्होंने 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया था। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उन्हें पंचायत राज अधिकारी का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। सिमरन के पति गजेंद्र सिंह सेना में कार्यरत हैं। सिमरन अपने पति के साथ जैसे ही मोदीनगर पहुंचीं, नगरवासियों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। सिमरन शर्मा ने कहा कि वह अपनी नौकरी की जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने के साथ साथ खेलों पर भी पूरा ध्यान केंद्रित रखेंगी। उनका लक्ष्य आगामी पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। जिला पंचायत राज अधिकारी का नियुक्ति पत्र मिलने पर सांसद राजकुमार सांगवान, विधायक मंजू सिवाच और पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली सहित नगर के अनेक गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ऑपरेशन प्रहार : एबीइएस कॉलेज में गाजियाबाद पुलिस ने छात्रों को किया जागरूक

OPERATION PRAHAAR

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ऑपरेशन प्रहार के तहत गाजियाबाद में मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री को रोकने के लिए पुलिस ने वृहद स्तर पर अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत पुलिस लगातार मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री करने वालों को गिरफ्तार कर रही है। पुलिस ने अब तक बड़ी मात्रा में गांजा और चरस की खेप पड़ी है। छात्रों को नशे से दूर रखते हुए जागरूक रखने के लिए एबीइएस इंजीनियरिंग कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गाजियाबाद के एडिशनल सीपी राजकरन, डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल, थाना अध्यक्ष क्रॉसिंग रिपब्लिक सरिता मलिक अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। एडिशनल सीपी राजकरन ने मौजूद छात्रों को ऑपरेशन प्रहार के बारे में जानकारी दी और उन्हें बताया कि गाजियाबाद में किस तरह पुलिस ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्यवाही कर रही है। इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए पुलिस की कार्य रणनीति को भी साझा किया। इस दौरान उन्होंने सभी से अपील कि वह नशे से दूर रहे। नशा करने से उनका भविष्य खतरे में आ सकता है। अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए लगन लगाकर पढ़ाई करें और किसी भी तरह के नशे से दूर रहे। अगर उनके आसपास कोई भी नशा बेकता है या उन्हें नशा करने के लिए उकसाता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दे। किसी भी हालत में नशे से दोस्ती नहीं करनी है।

व्यापारियों की समस्या का निस्तारण करने के लिए पुलिस अधिकारियों की अध्यक्षता में हुई बैठक

GHAZIABAD POLICE

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद में औद्योगिक स्तर को अधिक विकसित करने के लिए व्यापारियों की समस्या का निस्तारण होना बेहद जरूरी है। व्यापारियों की समस्या का निस्तारण करने के लिए पुलिस अधिकारियों की अध्यक्षता में परमजीत हॉल में बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे धवल जायसवास पुलिस उपायुक्त नगर जोन/मुख्यालय के समक्ष व्यापार मण्डल एवं व्यापारी बन्धुओं ने सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था व अन्य मुद्दों को रखा। इस दौरान डीसीपी ने तफसील से उनके सभी मुद्दे सुनते हुए उनका निस्तारण करने का आश्वासन दिया। व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस गस्त बढ़ाने के आदेश बैठक में दिए गए। वहीं व्यापारियों से आग्रह किया गया कि अगर उन्हें कोई भी फिरौती या अन्य कोई अपराध करने के लिए मजबूर एवं उकसाता है तो तत्काल पुलिस को सूचना दे। पुलिस उनका पूर्ण सहयोग करते हुए मजबूत कार्यवाही करेगी। व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह से मुस्तेद है। ट्रैफिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ट्रैफिक विभाग के अधिकारी लगातार सड़कों पर उतरकर निरीक्षण कर रहे है। ट्रैफिक व्यवस्थाओं को मजबूत करने के लिए व्यापारियों के सहयोग की भी आवश्यकता है। व्यापारी अपने व ग्राहकों के वहान प्रतिष्ठान के बाहर नियम अनुसार खड़ा करें, जिससे रोड पर चल रहे अन्य वाहन आसानी से गुजर सके और रोड पर जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। बैठक में पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्रनाथ तिवारी, पुलिस उपायुक्त यातायात त्रिगुण बिसेन एवं सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर उपासना पाण्डेय उपस्थित रहे।

टेट पास अनिवार्यता के विरोध में 4 अप्रैल को रामलीला मैदान में बड़ा आंदोलन, मेरठ मंडल की बैठक में बनी रणनीति

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। टीईटी पास को अनिवार्य विषय बनाए जाने के विरोध में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले 4 अप्रैल 2026 को रामलीला मैदान, नई दिल्ली में प्रस्तावित विशाल आंदोलन को सफल बनाने के लिए मेरठ मंडल की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक जनपद हापुड़ में आयोजित की गई। बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के निर्देश पर आयोजित हुई, जिसमें मेरठ मंडल के सभी जनपदों के जिला अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता मेरठ मंडल के मंडलिक संगठन मंत्री एवं टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेघराज भाटी ने की, जबकि संचालन पूर्व मंडलिक मंत्री अशोक शर्मा ने किया।

बैठक में मेघराज भाटी ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए एनपीआरसी स्तर पर पन्ना प्रमुख नियुक्त करने की अपील की। गाजियाबाद के जिला अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि सभी शिक्षक मेट्रो, रेल और निजी साधनों से 100 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

गौतमबुद्ध नगर से जिला कोषाध्यक्ष हेमराज शर्मा ने भी पूर्ण उपस्थिति पर जोर दिया। मेरठ के जिला अध्यक्ष राकेश तोमर ने बताया कि दिल्ली में निवास करने वाले शिक्षक सीधे आंदोलन स्थल पर पहुंचेंगे, जबकि अन्य साथी विभिन्न साधनों से भागीदारी करेंगे। हापुड़ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिसोदिया और नीरज चौधरी ने अधिकतम संख्या में सहभागिता का आश्वासन दिया। बागपत से जिला मंत्री राजकुमार शर्मा तथा बुलंदशहर से जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा और बाबू सिंह लोहिया ने भी आंदोलन में सक्रिय भागीदारी का भरोसा दिलाया। बैठक में आंदोलन को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। इस दौरान गजेंद्र नागर, सौरव शर्मा, तेज प्रकाश तोमर, नीरज चौधरी, कविंद्र तोमर, मो. तारिक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आरोग्य इंडिया वेलनेस हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ, एक ही छत के नीचे मिलेगी समग्र चिकित्सा

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देते हुए ग्रेटर नोएडा वेस्ट में आरोग्य इंडिया वेलनेस हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों, चिकित्सकों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। इस हॉस्पिटल में आयुर्वेद आधारित पंचकर्म, योग, नेचुरोपैथी और फिजियोथेरेपी जैसी समग्र चिकित्सा सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाएंगी। संस्थान का उद्देश्य लोगों को प्राकृतिक और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना है।

INDIA
THE NEWS

हॉस्पिटल प्रबंधन के अनुसार, यहां “5 स्टेप थेरेपी टू रीजुवेनेशन” के तहत डिटॉक्सिफिकेशन, पोषण, संतुलन, पुनर्निर्माण और विश्राम जैसी प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन उपचारों से न केवल बीमारियों का इलाज होगा, बल्कि शरीर और मन के संतुलन को भी मजबूत किया जाएगा।

संस्थान के संस्थापक आयुर्वेदाचार्य ललित मोहन शर्मा ने बताया कि आधुनिक जीवनशैली के कारण बढ़ती बीमारियों के समाधान में आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा बेहद प्रभावी साबित हो रही है। हॉस्पिटल का लक्ष्य लोगों को दवाओं पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक उपचार की ओर बढ़ाना है।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को हॉस्पिटल की सुविधाओं का अवलोकन कराया गया। सभी ने इस पहल को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए सराहना की। संस्थान भविष्य में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने और जनजागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

नगर पालिका में मनोनीत सभासदों ने ली शपथ, विकास को मिलेगी नई रफ्तार

दादरी (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद में शासन द्वारा मनोनीत पांच सभासदों ने शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों ने शहर के विकास को नई दिशा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विधायक तेजपाल सिंह नागर और विधान परिषद सदस्य चंद शर्मा ने कहा कि मनोनीत सदस्यों के जुड़ने से परिषद को नई ऊर्जा मिलेगी और विकास कार्यों में तेजी आएगी। उन्होंने निष्ठा और ईमानदारी के साथ जनहित में कार्य करने का आह्वान किया। मनोनीत सभासदों में ईश्वर वर्मा, केशव गोयल, हरीश भाटिया, संगीता रावल और बाला देवी शामिल हैं। इस मौके पर उपजिलाधिकारी चारुल यादव, अधिशासी अधिकारी शालिनी गुप्ता, चेयरमैन गीता पंडित सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रबूपुरा में मनोनीत सभासदों का भव्य स्वागत, फूल मालाओं से किया सम्मान

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बा रबूपुरा में बुधवार को मनोनीत सभासद रूपलाल कौशिक, फराहीम खान और राकेश मीणा का स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान सभी सभासदों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और उनका अभिनंदन किया गया। मनोनीत सभासदों ने उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि कस्बे की समस्याओं के समाधान के लिए वे हर समय तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर हाफिज जुल्फिकार खान, महबूब चौधरी, इमरान खान, वकील अहमद, आरिफ खान, नफीस मलिक, एडवोकेट हसरत खान, सोनू ठाकुर, राहत ठाकुर, अरबाज खान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रधान पति पर युवती से छेड़छाड़ का आरोप, मुकदमा दर्ज

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में एक युवती के साथ छेड़छाड़ और जबरन घर में घुसने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी प्रधान पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 21 मार्च की शाम की बताई जा रही है। पीड़िता के अनुसार गांव का प्रधान पति अचानक उसके घर में घुस आया और उसके साथ जबरदस्ती करते हुए अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पिछले कई दिनों से उस पर बुरी नजर रखे हुए था और उसे लगातार परेशान कर रहा था। लोक-लाज और आरोपी के प्रभाव के डर से वह अब तक चुप रही, लेकिन घटना के बाद उसने हिम्मत जुटाकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मांगें पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी, किसानों ने उठाई आवाज

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर के गांव ढूंढेरा में बुधवार को राष्ट्रीय किसान यूनियन द्वारा मासिक पंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। पंचायत में स्पष्ट चेतावनी दी गई कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसान धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव शहीद प्रधान ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत की अध्यक्षता इकबाल खां ने की, जबकि संचालन शक्ति सिंह ने किया। बैठक में जर्जर विद्युत लाइनों को बदलने, यमुना एक्सप्रेसवे के फलैदा कट से गांव धनपुरा तक टूटी सड़क का शीघ्र निर्माण, जेवर स्थित एसडीएम आवास के पास नई बस्ती में विद्युत लाइन खींचने तथा बारिश व ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों का जल्द मुआवजा दिलाने जैसी प्रमुख मांगें उठाई गईं। इस अवसर पर रविंद्र सिंह, गजराज, यूनुस, रनजीत, भागमल, हरिदत्त, रामपाल, प्रेमराज, रमेश सहित कई किसान उपस्थित रहे।

डीएसपी से एएसपी बने रामाशीष यादव का भव्य अभिनंदन

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। खतौली क्षेत्राधिकारी रामाशीष यादव को शासन द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत किए जाने पर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। पदोन्नति के बाद से ही उनके सम्मान और स्वागत का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की स्थानीय इकाई द्वारा थाना परिसर में एक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें तहसील अध्यक्ष शेखर चौहान, महामंत्री वसीम अहमद और नफीस अहमद सहित अन्य सदस्यों ने रामाशीष यादव को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक रामाशीष यादव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ करेंगे तथा जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

हर ओर सिलेंडर की मारामारी : वास्तविक संकट या उत्पन्न की हुई स्थिति?

देश के कई हिस्सों में इन दिनों घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर लंबी कतारें, शिकायतें और असंतोष देखने को मिल रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि समय पर गैस उपलब्ध नहीं हो रही, बुकिंग के बाद डिलीवरी में देरी हो रही है और कई जगहों पर कृत्रिम कमी का माहौल बना दिया गया है। दूसरी ओर सरकार और तेल विपणन कंपनियां लगातार यह दावा कर रही हैं कि देश में एलपीजी की कोई वास्तविक कमी नहीं है, बल्कि मांग में अचानक वृद्धि और वितरण संबंधी अस्थायी चुनौतियों के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या सचमुच सिलेंडर की किल्लत है, या फिर यह एक प्रबंधन से जुड़ी समस्या है जिसे संकट का रूप दे दिया गया है।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि भारत आज विश्व के उन देशों में शामिल है जहां घरेलू गैस उपभोग लगातार बढ़ रहा है। उज्ज्वला योजना जैसे कार्यक्रमों के चलते करोड़ों नए उपभोक्ता एलपीजी से जुड़े हैं, जिससे मांग में स्वाभाविक रूप से वृद्धि हुई है। खासकर सर्दियों के बाद और त्योहारों या विवाह सीजन के दौरान गैस की खपत और बढ़ जाती है। इस वर्ष भी यही परिदृश्य देखने को मिल रहा है, जहां मांग सामान्य से अधिक है। ऐसे में वितरण तंत्र पर दबाव पड़ना कोई असामान्य बात नहीं है।

सरकार का पक्ष यह है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आयात तथा रिफाइनरी उत्पादन के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। आधिकारिक आंकड़े भी यही संकेत देते हैं कि उत्पादन और आयात में कोई बड़ी बाधा नहीं आई है। ऐसे में यदि कहीं स्थानीय स्तर पर कमी महसूस हो रही है, तो उसका कारण सप्लाई चेन में असंतुलन, परिवहन में देरी या वितरण एजेंसियों की कार्यप्रणाली हो सकती है। सरकार ने कई बार यह स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हालांकि उपभोक्ताओं की परेशानी को केवल अफवाह या अस्थायी समस्या कहकर नजरअंदाज करना भी उचित नहीं होगा। जमीनी स्तर पर कई जगहों से ऐसी खबरें आ रही हैं कि एजेंसियां जानबूझकर सिलेंडर की आपूर्ति धीमी कर रही हैं, ताकि बाजार में कमी का माहौल बनाकर अतिरिक्त लाभ कमाया जा सके। यदि ऐसा है, तो यह न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है बल्कि सरकारी नीतियों की मंशा पर भी सवाल खड़े करता है। इसलिए इस पहलू की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

इसके साथ ही एक और महत्वपूर्ण पक्ष है डिजिटल बुकिंग और वितरण प्रणाली। सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाने के लिए ऑनलाइन बुकिंग, ट्रैकिंग और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी व्यवस्थाएं लागू की हैं, लेकिन कई ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में तकनीकी समस्याएं या जागरूकता की कमी के कारण उपभोक्ताओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार बुकिंग दर्ज होने के बावजूद समय पर आपूर्ति नहीं होती, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ता है और कमी की धारणा मजबूत होती है।

इस पूरे मुद्दे को संतुलित दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। यह कहना गलत होगा कि देश में व्यापक स्तर पर गैस संकट उत्पन्न हो गया है, लेकिन यह भी उतना ही सही है कि वितरण व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। सरकार की नीतियां और इरादे उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए हैं, लेकिन उनका प्रभाव तभी दिखाई देगा जब स्थानीय स्तर पर उनका सही क्रियान्वयन हो।

समाधान के रूप में सरकार को चाहिए कि वह वितरण एजेंसियों की नियमित निगरानी करे, शिकायत निवारण प्रणाली को और मजबूत बनाए तथा उपभोक्ताओं को रियल टाइम जानकारी उपलब्ध कराए। इसके अलावा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए भी ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। दूसरी ओर उपभोक्ताओं को भी अफवाहों से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करना चाहिए।

अंतत: सिलेंडर की मारामारी को केवल एक संकट के रूप में देखने के बजाय इसे एक संकेत के तौर पर समझना चाहिए कि बढ़ती मांग के अनुरूप हमारी आपूर्ति और वितरण प्रणाली को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। यदि सरकार और संबंधित एजेंसियां मिलकर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करें, तो यह समस्या जल्द ही नियंत्रण में आ सकती है। वर्तमान स्थिति न तो पूरी तरह से काल्पनिक है और न ही पूरी तरह से भयावह यह एक ऐसा मिश्रित परिदृश्य है, जिसमें सुधार की अपार संभावनाएं भी मौजूद हैं और चुनौतियां भी।

~ मौलिक चिंतन ~

जीवन का सच्चा सुख,
जिज्ञासा में निहित है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©

विनय संकोची

अमेरिका के युद्ध विराम घोषणा से निकली शांति की किरण

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका का पांच दिन के लिए एक तरफा युद्ध विराम का एलान बेहद खराब दौर में पहुंच चुके हालात में शांति का संदेश वाहक बन रहा है। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ताजा घटनाक्रम इस ओर इशारा कर कर रहे हैं कि अब मिसाइल अटैक थमने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। पिछले 24 दिनों से इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जारी भयंकर युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा पांच दिन के लिए युद्ध विराम की घोषणा करना निःसंदेह वैश्विक स्तर पर एक राहत देने वाली खबर हैं। युद्ध जैसे विनाशकारी परिदृश्य में जब भी संवाद और विराम की संभावना बनती है, वह केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आशा की किरण लेकर आती है। ऐसे समय में जब हर दिन नई तबाही और अनिश्चितता का संदेश ला रहा था, अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत और सीमित समय के। के लिए सैन्य सैन्य कार्रवाई रोकने के संकेत ने वैश्विक स्तर पर उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। इसका कारण है कि यह केवल दो देशों के बीच टकराव का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानवता पर पड़ रहा है।

आजकल युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को हिला देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया।

आपको पता रहे कि ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को अस्थायी रूप से टालने का निर्णय, भले ही पांच दिनों के लिए हो, एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संकेत है। यह दिखाता है कि युद्ध के बीच भी बातचीत की संभावना सरावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। हालांकि, इस निर्णय को लेकर कई सवाल भी उठते हैं, खासकर तब जब ईरान ने किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि स्थिति अभी भी अनिश्चितताओं से भिरी हुई है। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। माना जा रहा है कि अमेरिका ने काफी मजबूरी में युद्ध विराम का फैसला लिया है। अमेरिका शुरूआती रणनीति में यह मानकर चला था कि सीमित सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के भीतर बाद ईरान के भीतर जन असंतोष उभरेगा और सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन यह आकलन गलत साबित हुआ। न तो जनता सड़कों पर उतरी और न ही सत्ता संरचना में कोई तत्काल बदलाव आया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बाहरी हस्तक्षेप के आधार पर किसी देश की आंतरिक राजनीति को बदलना इतना आसान नहीं है। युद्ध को आगे बढ़ाने का विकल्प अमेरिका के सामने था, लेकिन इसके साथ कई गंभीर जोखिम जुड़े थे। अफगानिस्तान और इराक के अनुभव पहले से ही अमेरिका के सामने हैं, जहां लंबे सैन्य अभियानों ने न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक रूप से भी भारी कीमत वसूल की। इस पूरे घटनाक्रम में खाड़ी देशों की भूमिका भी अहम रही है। ओमान, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों ने स्पष्ट संकेत दिए कि वे इस संघर्ष के विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। उनके लिए यह युद्ध आर्थिक और सामरिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। यदि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला होता, तो जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र के तेल और गैस संसाधन भी निशाने पर आ सकते थे। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ता। होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा भी इस संघर्ष के केंद्र में है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध होता है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। यही कारण है कि सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस क्षेत्र में युद्धपोत भेजने के जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो इस संघर्ष ने पहले ही वैश्विक बाजारों को झकझोर दिया है। तेल की कीमतों में तेजी, गैस की कीमतों में उछाल और शेयर बाजारों में अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बुद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इसका सीधा असर महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है। हालांकि, जैसे ही युद्धविराम की संभावना सामने आई, बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेल की कीमतों में गिरावट और शेयर बाजारों में तेजी यह दशार्ती है कि निवेशक और वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। यह एक संकेत है कि शांति केवल मानवीय दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनिवार्य है। फिर भी, यह समझना जरूरी है कि यह पांच दिनों का युद्धविराम एक स्थायी समाधान नहीं है। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दशार्ता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। यहां बता दे कि ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें,अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दशार्ती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि युद्ध की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध विराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।हालांकि हो सकता है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के इरादों को परख रहे हैं। यदि बातचीत आगे बढ़ती है, तो यह एक बड़े समझौते का रास्ता खोल सकती है। लेकिन यदि यह प्रयास विफल होता है, तो संघर्ष और भी तीव्र रूप ले सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युद्ध का कोई स्थायी समाधान नहीं होता। इतिहास गवाह है कि सैन्य संघर्ष अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त होते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि दोनों पक्ष संयम बरतें और कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता दें। मानवता के दृष्टिकोण से देखें तो युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को होता है। चाहे वह ईरान हो, इजरायल हो या कोई अन्य देश युद्ध की कीमत हमेशा निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ती है। ऐसे में हर वह कदम, जो बुद्ध को रोकने की दिशा में उठाया जाता है, स्वागत योग्य है। आज जब दुनिया पहले ही कई संकटों, आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक तनाव से जूझ रही है, तब एक और बड़े बुद्ध की संभावना चिंता का विषय है। ऐसे समय में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दें। अंततः यह पांच दिनों का विराम केवल एक अवसर है एक मौका, जिसे यदि सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो यह स्थायी शांति की ओर पहला कदम बन सकता है। लेकिन यदि इसे खो दिया गया, तो इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर गंभीर होंगे। दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह टकराव का रास्ता चुनेगी या संवाद का। हकीकत यह है कि युद्ध के आंकड़ों और रणनीतियों के बीच अक्सर मानवीय पहलू दव जाता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर संघर्ष के पीछे लाखों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। विस्थापन, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव ये सभी युद्ध के अदृश्य लेकिन गहरे प्रभाव हैं। इसलिए किसी भी निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

बढ़ती गर्मी और जलवायु संकट का वर्तमान पर असर

कांतिलाल मांडोत

मार्च के महीने में ही जिस तरह से देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है वह सामान्य मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। उत्तर मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों में तापमान का तेजी से बढ़ना और लू जैसी परिस्थितियों का समय से पहले बनना यह संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। जहां पहले मई और जून में हीट स्ट्रोक और लू से मौतों की खबरें आती थीं वहीं अब मार्च में ही ऐसे समाचार सामने आने लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि मौसम का पारंपरिक चक्र असंतुलित हो चुका है और इसका सीधा असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है जिससे तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। इस बढ़ते तापमान का प्रभाव केवल गर्मी तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ रहा है जिससे शरीर को राहत नहीं मिल पाती। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है क्योंकि लगातार गर्मी में रहने से शरीर की सहनशक्ति कम होती है और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी तापमान का बढ़ना एक चिंताजनक संकेत है। हिमालय की चोटियों पर बर्फ का तेजी से पिघलना आने वाले समय में जल संकट का कारण बन सकता है। शुरूआती समय में नदियों में पानी का बहाव बढ़ता है लेकिन धीरे धीरे यह स्रोत कमजोर पड़ने लगते हैं जिससे भविष्य में पानी की कमी की समस्या गहराती है। उपग्रह आंकड़ों और वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा। इससे न केवल पेयजल संकट बढ़ेगा बल्कि राज्यों के बीच जल विवाद भी तेज हो सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कई कारण हैं। तेजी से हो रहा शहरीकरण हरियाली की कमी और कंक्रीट के बढ़ते जंगल शहरों को गर्म द्वीप में बदल रहे हैं। पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के खत्म होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। इसके साथ ही मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाएं उत्तर भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं जिससे लू का असर और तेज हो जाता है। इस बार इन हवाओं का प्रभाव जल्दी देखने को मिला है जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है।

कृषि क्षेत्र इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने से फसलें समय से पहले पक रही हैं जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। सरसों जैसी फसलें जल्दी तैयार हो गई हैं और गेहूं पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। विशेषकर देर से बोई गई फसलें अधिक प्रभावित हो रही हैं क्योंकि उन्हें पकने के समय ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उत्पादन में कमी आने की आशंका है और इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। बाजार में समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था भी कई बार पर्याप्त नहीं होती जिससे किसानों को कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

पानी का संकट इस पूरी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण जहां एक ओर पानी की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर जल स्रोत तेजी से घट रहे हैं। कई राज्यों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। शहरों में पानी के उपयोग पर प्रतिबंध और जुमार्ने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान हैं। यदि जल संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकट हो सकती है।

पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है। पानी के स्रोत सूखने से जानवरों के सामने भी जीवित रहने का संकट खड़ा हो रहा है। यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए अब केवल चर्चा या चेतावनी पर्याप्त नहीं है बल्कि ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी और वर्षा जल संचयन को बड़े स्तर पर लागू करना होगा। खेतों में पानी के बेहतर उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाना जरूरी है। किसानों को ऐसी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार दे सकें। इसके साथ ही ऊर्जा के क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है। पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना होगा ताकि प्रदूषण कम हो और तापमान वृद्धि पर नियंत्रण पाया जा सके।

सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। लोगों को पानी के सही उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना होगा। शहरों में हरियाली बढ़ाने और पेड़ लगाने के प्रयासों को तेज करना होगा ताकि तापमान को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही सरकार और समाज दोनों को मिलकर एक दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी जिससे इस बढ़ते संकट का प्रभाव कम किया जा सके।

अंततः यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन का संकट अब हमारे सामने खड़ा है और इसका प्रभाव हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। यदि समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी मिलकर इस चुनौती का सामना करें और अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदारी से कार्य करें।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

भगवान श्री राम मयार्दा,आदर्श रामराज्य का जीवंत दर्शन

विनोद कुमार सिंह

श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।

भय प्रकट पाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी...
भारतीय संस्कृति की आत्मा में यदि किसी चरित्र ने सबसे गहरी और स्थायी छाप छोड़ी है,तो वह हैं भगवान श्रीराम। उनका जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि एक ऐसा नैतिक दर्शन है,जो युगों-युगों से मानवता को दिशा देता आया है। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला,कौशल्या हितकारी' की यह पंक्ति उस दिव्य क्षण का स्मरण कराती है,जब स्वयं धर्म ने मानव रूप धारण कर पृथ्वी पर अवतार लिया। राम नवमी का पर्व इसी सत्य का उत्सव है,परंतु यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी अवसर है।श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन मयार्दा की एक ऐसी रेखा है,जिसे उन्होंने हर परिस्थिति में निभाया। यही कारण है कि उन्हें 'मयार्दा पुरुषोत्तम' कहा गया।उन्होंने यह सिद्ध किया कि महानता शक्ति में नहीं,बल्कि उस शक्ति के संयमित और न्यायपूर्ण उपयोग में निहित होती है।जब पिता की आज्ञा के कारण उन्हें वनवास का निर्णय लेना पड़ा, तब उन्होंने न तो परिस्थितियों से संघर्ष किया और न ही अपने अधिकारों का आग्रह किया,बल्कि सहज भाव से कर्तव्य को स्वीकार किया। यह केवल त्याग नहीं था, बल्कि यह उस आदर्श का प्रतिपादन था,जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज और परिवार के धर्म को रखता है।

श्रीराम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मयार्दा केवल सीमाओं का बंधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है।उन्होंने अपने प्रत्येक संबंध को उसी गरिमा के साथ निभाया,जो एक आदर्श समाज की नींव बनती है। चाहे वह भ्रातृ प्रेम हो, पत्नी के प्रति निष्ठा हो,मित्रता का निर्वाह हो या प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व - हर स्थान पर उन्होंने एक ऐसी मिसाल कायम की,जो आज भी प्रासंगिक है।श्रीराम के व्यक्तित्व को समझने के लिए भारतीय परंपरा के दो महान ग्रंथ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं–वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस।महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में राम एक आदर्श मानव के रूप में चित्रित होते हैं,जो जीवन की कठिनाइयों,संघर्षों और द्वंद्वों से गुजरते हुए भी धर्म का मार्ग नहीं छोड़ते। वहाँ राम ईश्वर से अधिक एक ऐसे पुरुष हैं, जो अपने निर्णयों के माध्यम से यह दिखाते हैं

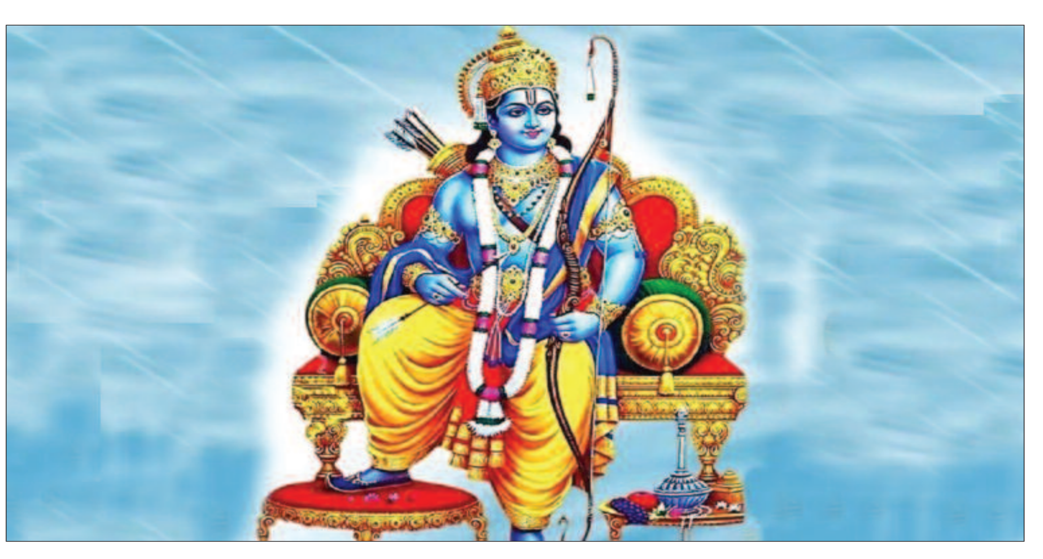

कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों,यदि मनुष्य अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे,तो वह आदर्श बन सकता है।वहीं गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में श्रीराम का स्वरूप और भी व्यापक हो जाता है। यहाँ वे केवल एक राजा या नायक नहीं, बल्कि करुणा और भक्ति के साकार रूप हैं।तुलसीदास ने उन्हें 'दीनदयाल' और 'भक्तवत्सल' के रूप में प्रस्तुत किया, जो हर उस व्यक्ति के सहायक हैं,जो सच्चे मन से उनकी शरण में आता है। इस प्रकार वाल्मीकि के राम जहाँ यथार्थ के धरातल पर खड़े हैं, वहीं तुलसी के राम अध्यात्म की ऊँचाइयों को स्पर्श करते हैं।दोनों मिलकर राम के उस समग्र स्वरूप को प्रस्तुत करते हैं,जिसमें मानवता और दिव्यता का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

इसका अनुठा व अनोखा संगम का सबसे सुंदर और जीवंत रूप 'रामराज्य' में देखने को मिलता है। रामराज्य केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहाँ न्याय,समानता,सुरक्षा और समृद्धि का संतुलन स्थापित होता है।श्रीराम के शासन में प्रजा केवल शासित नहीं थी, बल्कि वह स्वयं को सुरक्षित,सम्मानित और संतुष्ट अनुभव करती थी। वहाँ भय का स्थान नहीं था,अन्याय का अस्तित्व नहीं था और शासन का उद्देश्य केवल जनकल्याण था।

रामराज्य की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी त्रेता युग में थी। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है -नैतिक पतन, सामाजिक असंतुलन और प्रशासनिक चुनौतियाँ–तब रामराज्य एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में हमारे सामने आता है। यह हमें सिखाता है कि यदि शासन में पारदर्शिता हो,समाज में समरसता हो और व्यक्ति के जीवन में मयार्दा हो, तो किसी भी राष्ट्र को आदर्श बनाया जा सकता है।

श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सच्चा अध्यात्म केवल पूजा और अनुष्ठान में नहीं,बल्कि आचरण में निहित होता है। उन्होंने कभी अपने आदर्शों का उपदेश नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर दिखाया। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा,बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक जीवन के हर आयाम को उन्होंने प्रभावित किया।

आज के युग में,जब व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के नाम पर मयार्दाओं को भूलता जा रहा है,तब श्रीराम का जीवन एक संतुलन की प्रेरणा देता है।वे यह सिखाते हैं कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अनुशासन और उत्तरदायित्व के साथ जुड़ा हुआ है। यदि व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझे और उन्हें ईमानदारी से निभाए,तो समाज में स्वतः ही संतुलन स्थापित हो जाएगा।

राम नवमी का यह पावन अवसर हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों को स्थान दे पा रहे हैं, जिनका प्रतिपादन श्रीराम ने किया था। क्या हमारे निर्णयों में सत्य और धर्म का स्थान है,क्या हमारे व्यवहार में करुणा और संवेदनशीलता है,क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही सजग हैं,जितने श्रीराम थे।यदि इन प्रश्नों के उत्तर हम खोजने का प्रयास करें, तो यही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य सिद्ध होगा।

अंत में श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।आज आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपने भीतर के राम को पहचानें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें।यही सच्चे अर्थों में राम नवमी का उत्सव है, यही उस दिव्य अवतरण का वास्तविक संदेश भी समाज व राष्ट्र के लिए देता है ।

नाखूनों का सौंदर्य बढ़ाने के तरीके

गुलाबी, दोषरहित नाखून किसी भी व्यक्ति के उत्तम स्वास्थ्य की निशानी होते हैं। नाखून के रोग इनकी सुंदरता कम करने के साथ आपके स्वास्थ्य का राज भी खोल देते हैं। नाखूनों की कई बीमारियां होती हैं। अगर आप उन्हें सही समय पर पहचान लें और उनकी सही देखभाल करें तो वे दोबारा स्वस्थ और सुंदर हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ जरूरी टिप्स अपनाकर आप आकर्षक और खूबसूरत नाखूनों की धनी हो सकती हैं–

स्वस्थ-सुंदर नाखून

- भोजन में पोषक तत्वों की कमी भी नाखूनों के कई बीमारियों का कारण होती है। अपनी डाइट में पोषक पदार्थों का सेवन करके नाखूनों की चमक लौटाई जा सकती है।
- मजबूत नाखून पाने के लिए दिन में 8-10 ग्लास पानी अवश्य पिएं।
- कैल्शियम की कमी नाखूनों के कई रोगों का कारण बनता है। इसलिए अपने भोजन में दूध और उससे बनी चीजें, यानी डेयरी प्रोडक्ट भी शामिल करें।
- सैलेड, फलों व उनके रस का सेवन करने पर पर्याप्त पोषक पदार्थों की आपूर्ति होती है।
- अगर आप शाकाहारी हैं तो ब्रॉक्ली व प्याज, अगर मांसाहारी हैं तो मछली खाएं। उनमें सिलिकॉन और सल्फर होता है जो नाखूनों के लिए फायदेमंद होता है।
- विटमिन बी के स्त्रोत खमीर व सोयाबीन नाखूनों के सफेद धब्बों और दरारों या धरियों को दूर करने में सहायक होते हैं, अतः उनका सेवन करें।
- गाजर के रस में कैल्शियम व फास्फोरस प्रचुर मात्रा में होता है, जो नाखूनों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यकहोता है।
- हाथों और नाखूनों की रोज अच्छी तरह सफाई करने से उनमें फंसा मैल निकल जाता है और किसी भी प्रकार के बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने की संभावना नहीं रहती।
- रूखे, बेजान नाखूनों से परेशान होने के बजाय यदि आप उनकी सही और नियमित ढंग से देखभाल करेंगी तो कुछ ही दिनों में सुंदर नाखून आपके हाथों का सौंदर्य दोगुना कर देंगे।
- यदि नाखून अधिक कमजोर या बदरंग हो रहे हों तो तेज खुशबूदार लोशन के प्रयोग से बचें, क्योंकि इन प्रोडक्ट्स में उपस्थित एल्कोहॉल नाखूनों को हानि पहुंचाता है।
- अगर नाखून बहुत अधिक कमजोर हों तो आप नेल हार्डनर का प्रयोग भी कर सकती हैं। नेल हार्डनर नाखूनों को सुरक्षा प्रदान करते हैं और उन्हें मजबूत बनाते हैं।
- ध्यान रखें, अधिक देर पानी में हाथ न डालें और हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सुखाकर क्रीम या मॉयस्चराइजर लगाएं और सोने से पहले नाखूनों पर क्यूटिकल ऑयल, क्यूटिकल क्रीम या बेबी ऑयल लगाएं।
- नाखून बहुत कडे हों तो नॉन एसीटोन नेल पेंट रिमूवर का प्रयोग करें, क्योंकि एसीटोन पॉलिश रिमूवर नाखूनों से नमी सोखकर उन्हें कडा बना देता है।
- नेल पेंट हटाने के बाद नाखूनों पर क्यूटिकल क्रीम या ऑलिव ऑयल से मालिश करें।
- नाखूनों को शेप देते समय ध्यान रखें कि वे सूखे हों।
- नाखूनों को दांत से न कांटे। ऐसा करने से उनके विकास की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और वे देखने में खराब भी लगते हैं।
- अगर अधिक लंबे नाखून न हों तो उन्हें काटने की जगह फाइलर से फाइल करना बेहतर है लेकिन कभी भी साइड से अधिक फाइल ना करें अन्यथा नाखून टूट सकते हैं।
- कई स्त्रियां यह सोचती हैं कि मेनीक्योर और पेडीक्योर को हर हफ्ते क्यों कराएं, लेकिन हफ्ते में एक बार ऐसा करने से नाखून सही शेप में रहते हैं और उनकी एक प्रकार से कंडीशनिंग भी हो जाती है। मेनीक्योर अथवा पेडीक्योर करवाते समय प्रयोग में लाए जाने वाले सामान स्टरलाइज्ड हों वरना बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने का डर रहता है।
- हफ्ते में दो बार नाखूनों पर नेल स्ट्रेंथनर लगाएं। इसे आप नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर या बिना नेलपॉलिश लगे नाखूनों पर भी लगा सकती हैं।
- सप्ताह में कम से कम एक बार नाखूनों पर गुनगुने ऑलिव ऑयल से हलके हाथों मसाज करें। ऐसा करने से पहले गुनगुने पानी में नीबू का रस डालें और हाथों को इसमें कुछ देर तक डुबोकर रखें। फिर मसाज करें।
- नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए नेल पेंट रिमूवर से पुरानी नेलपॉलिश अच्छे से साफ कर लें और नाखूनों को फाइल करके मनचाहा शेप दें।
- नेलपॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाएं, फिर नेल पेंट के दो कोट लगाकर टॉप कोट अप्लाई करें।
- लाइड शेड्स के नेल कलर सदाबहार होते हैं। इन्हें आप किसी भी अवसर और समय पर लगा सकती हैं।
- नेलपॉलिश जल्दी सुखाना चाहती हैं तो लगाने के बाद नाखूनों को कुछ देर ठंडे पानी में डुबो दें या हेयर ड्रायर की कूल सेटिंग से सुखा लें। एक बात का और ध्यान रखें कि अगर नेलपॉलिश जल्दी सुखानी है तो सिर्फ एक कोट ही एप्लाई करें।
- रिमूवर का अधिक प्रयोग करने से बचें। अधिक इस्तेमाल करने से नाखूनों पर धब्बे पड जाते हैं।
- हमेशा अच्छी कंपनी की नेलपॉलिश का ही प्रयोग करें।
- कोई जरूरी नहीं है कि नाखूनों पर हरदम नेलपॉलिश लगी रहे। कभी-कभी उन्हें ऐसे ही छोड दें। बहुत मन हो तो ट्रांसपेरेंट नेलकलर लगाएं।

यूं निखर जाए रूप आपका

- अपनी त्वचा के अनुरूप ही मेकअप का इस्तेमाल करें।
- हमेशा चेहरा धोने के बाद टोनर लगाएं। इससे मेकअप अधिक देर तक टिकता है।
- फाउंडेशन लगाने से पहले गीली त्वचा पर ही हलका-सा मॉयस्चराइजर लगाएं, ताकि वह एकसार दिखे और चेहरे पर स्वाभाविक ग्लो नजर आए।
- कभी भी क्रैश डइटिंग न करें। इससे त्वचा की खूबसूरती नष्ट हो जाती है।
- खाने-पीने पर हमेशा नियंत्रण रखना जरूरी है, साथ ही थोडा-सा व्यायाम भी। इससे खूबसूरती बरकरार रहने के साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है।
- तैलीय त्वचा में निखार लाने के लिए मलाई में नीबू का रस मिलाकर लगाएं। इससे त्वचा कोमल और मुलायम हो जाती है।
- रोज 6-7 घंटे की नींद जरूर लें।
- सस्ती लिपस्टिक बिंदी कभी इस्तेमाल न करें, इससे एलर्जी की संभावना अधिक रहती है।
- सुबह खाली पेट एक सेब रोज खाने से त्वचा में निखार आता है और मानसिक तनाव भी कम होता है।
- बालों के झडने और सफेद होने के कारण अकसर तनाव होता है, जिससे चेहरे की कांति नष्ट हो जाती है। इसके लिए खाने में पोषक तत्वों की मात्रा पर्याप्त रखें।
- सुबह उठकर गुनगुने पानी में आधा चम्मच शहद व नीबू का रस मिलाकर पिएं। इससे पेट साफरहता है।
- जहां तक संभव हो सके, सुबह की पहली धूप की किरणें शरीर को दें, जिससे विटमिन ए और डी की प्राप्ति शरीर को हो जाती है, स्वास्थ्य भी उत्तम रहता है।
- रात को सोने से पहले क्लींजिंग मिल्क से चेहरा साफ करें ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल निकल जाए।
- हाथों में क्लींजर डालकर हथेलियों को रगड कर झाग बना लें, फिर चेहरे पर मलें, इससे चेहरा जल्दी साफ हो जाता है।
- विटमिन ए, बी, सी, डी और ई त्वचा में निखार लाते हैं, इन्हें भोजन में शामिल करना न भूलें। किसी न किसी रूप में इनका प्रयोग जरूर करें।

मां तुम बदल जाओ

मेरी मां मुझे बात-बात पर टोकती है। कहीं भी जाओ उनसे पूछकर जाना पड़ता है। आखिर वे क्यों नहीं बदलतीं। अक्सर टीनएज लड़कियों के मुंह से अपनी मां को लेकर इस तरह की शिकायतें सुनने मे आ ही जाती हैं। हो सकता है कि आपका भी अपनी मां के साथ अच्छा तालमेल नहीं बैठ पा रहा हो। पर अब ज्यादा परेशान न हों बस मनोचिकित्सकों और जाने-माने लेखकों की इन बातों पर गौर फरमाएं-

बदलने की कोशिश न करें : आपकी मां की कई ऐसी आदतें होंगी जिन्हें आप बदलना चाहती हैं। क्योंकि, वे आपको पसंद नहीं। बस यही तो आपकी भूल है। डॉटर एंड मदर पुस्तक की लेखिका और साइकोथैरेपिस्ट डोरेथी फिरमैन कहती हैं कि हम में से कई लोग अपनी मां को बदलने की कोशिश करते हैं। यह सोचकर कि इससे आपसी रिश्तों में सुधार होगा। पर शायद हम यह भूल जाते हैं कि हम उन्हें नहीं बदल सकते।

नियंत्रण अपना लें : जिन बातों को लेकर आपकी मां को आपकी चिंता होती है, आपको बंधन लगती हैं। जितना वे आपकी जिंदगी का हिस्सा बनने की कोशिश करती हैं उतना ही आप उन्हें खुद से दूर कर देती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि वे आपको हर बात पर टोकने लगती हैं। आप चाह कर भी उनसे दूर नहीं भाग सकतीं। अपनी जिंदगी मे उन्हें शामिल करें। उन्हें महत्त्व देकर आप उनका अपनी जिंदगी में नियंत्रण थोड़ा कम कर सकती हैं।

रजामंदी जरूरी : आपको लगता है कि हर बात पर मां की रजामंदी लेना क्या जरूरी है। अक्सर आपको इस बात पर झुंझलाहट भी होती होगी। पर ऐसे में आप अपनी मां का अनादर करने की बजाय बीच का रास्ता निकालें। उनके सामने अपनी ऐसी छवि बनाएं कि आप बेहतर डिसीजन ले सकती हैं। अगर एक बार उनको तसल्ली हो जाएगी कि आप जो काम कर रही हैं वह सही है और आपने जो राह अपने लिए चुनी है वह भी सही है, तो हो सकता है कि वे आपका साथ दें।

तरीका बदलें : उनकी अगर यह आदत है कि उन्हें आपसे जुड़ी हर बात पर बोलना है, चाहे वे उसे समझ रही हैं या नहीं। तो भड़कें नहीं। इससे उनकी इस आदत को बढ़ावा ही मिलेगा। उनकी किसी बात का जवाब देने का तरीका बदलें। ऐसे तर्क उनके सामने रखें जिनसे उन्हें लगे कि उनका हर बात पर बोलना और राय देना ठीक नहीं है।

मां से प्यार करें : आपकी मां आए दिन आप पर गुस्सा करती हैं या फिर बड़बड़ाती रहती हैं तो हो सकता है कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है कि आपने उन्हें अपने से दूर कर दिया है। इस बात का हमेशा ध्यान रखें कि आपके लिए आपकी मां अच्छा ही सोचेगी। उन्हें प्यार-सम्मान दें और यह मानकर चलें कि जो कुछ वे कह रही हैं या कर रही हैं उसमें उनका कोई स्वार्थ नहीं है।

बीन्स विद पनीर

सामग्री: 175 ग्राम चवली (बीन्स), 200 ग्राम पनीर, 1 कप फ्रेंच बीन्स, गाजर, हरी प्याज, मटर, 1 छोटा प्याज, 1 टेबलस्पून टोमैटो केचअप, नमक स्वादानुसार, आधा टीस्पून जीरा, सजाने के लिए हरी धनिया।

विधि: चवली को रातभर पानी में भिगोकर रखें। प्रेशर कुकर में पका लें। फ्रेंच बीन्स को थोड़ा-सा उबाल लें। एक पैन में तेल गर्म करें। जीरा डालें। प्याज, शिमला मिर्च, गाजर, पकी हुई फ्रेंच बीन्स और चवली डालें। नमक व पनीर डालें। 1 टीस्पून टॉमैटो केचअप डालकर हरी धनिया से सजाकर सर्व करें।

किचन टिप्स

- कस्टर्ड बनाते वक्त चीनी के साथ अगर थोड़ा सा शहद डालें तो कस्टर्ड और भी स्वादिष्ट बनता है।
- पालक, मेथी जैसी हरी सब्जियों को अगर प्लास्टिक की थैली में अलग-अलग बांध कर रखा जाए तो खराब नहीं होती।
- नींबू को ज्यादा देर तक ताजा रखने के लिए नमक के बर्तन में डालकर रखें।
- ब्रेड बटर पेपर में लपेटकर रखने से ताजा रहती है।
- चावल पानी में उबालते समय एक तेज पत्ता डालने से खुश्बूदार बनते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन
का की कू घ ड
छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3839

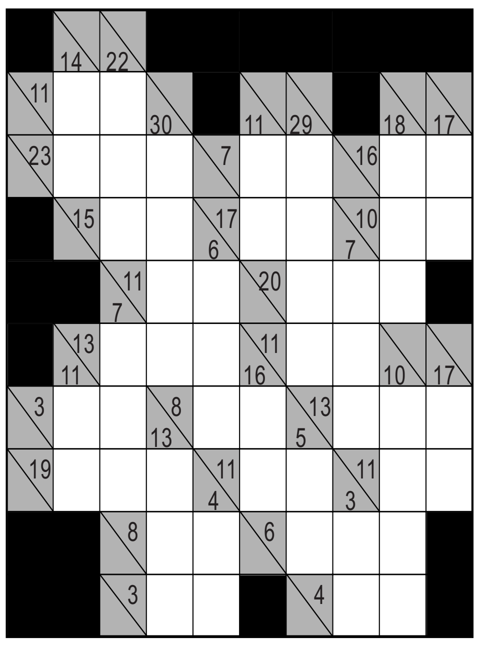

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

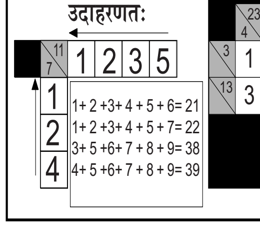

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3838 का हल

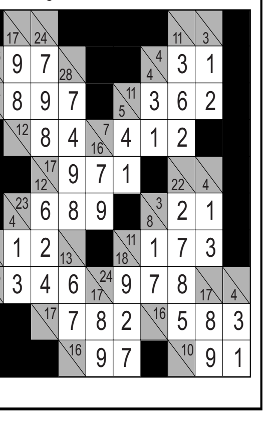

हंसी के फूव्वारें

अपराधी का पहला अपराध होने के कारण न्यायाधीश ने उसे क्षमा करते हुए कहा- 'हमें पूरा विश्वास है तुम कभी यहां दिखाई नहीं दोगे.'

हां हजूर, मेरी कोशिश होगी कि पुलिस मुझे न पकड़ सके और फिर कभी मैं यहां न दिखाई दूं.

* * *

'अरे यह क्या ? आप कहां से आ रहे हैं ? कपड़े फटे हुए हैं. खून निकल रहा है, सिर पर चोट लगी है. चलो आपको घर पहुंचा दूं.' मित्र ने संवेदनाभरे स्वर में कहा.

नहीं, नहीं मैं घर नहीं जाऊंगा, घर से ही आ रहा हूँ, घायल ने शीघ्रतापूर्वक कहा.

* * *

एक यात्री ने बड़े तेज स्वर में रेलवे के स्टेशन मास्टर से शिकायत कि-चालीस मिनट हो गये, ट्रेन अभी तक नहीं पहुँची.

स्टेशन मास्टर ने कहा-घबराइये नहीं, यह टिकट चौबीस घण्टे तक चल सकता है.

* * *

क्या आप जानते हैं कि नाव को स्त्रीलिंग क्यों माना जाता है ?

'क्योंकि नाव हवा के साथ-साथ अपना रुख बदलती रहती है.'

* * *

शिक्षक: पानी पर मच्छर क्यों बैठते हैं ?

राजीव: इसलिए कि पानी उड़ न जाये.

फिल्म वर्ग पहेली - 3839

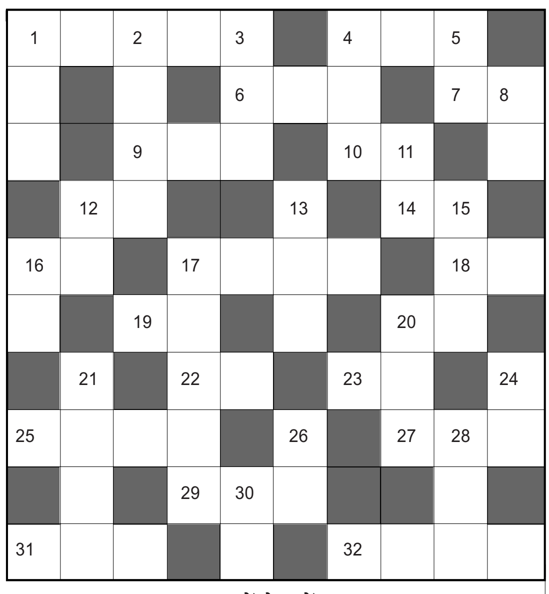

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3838

ए	क	रि	श्ता	■	जा	न	की	बा	जी
क	■	श्ते	■	आ	न	■	र्ति	■	व
बे	टा	■	ल	■	व	ध	■	कौ	न
चा	■	अ	व	ता	र	■	माँ	■	यु
रा	जा	जी	■	ल	■	रा	■	यु	द्ध
■	नू	त	न	■	स	नी	■	गां	■
क	■	■	म	ह	ल	■	अ	ध	र्म
वि	ना	श	क	■	मा	या	■	र	■
ता	■	र्मि	■	शा	■	रा	ज	■	धुं
■	मे	ला	■	दी	वा	ना	■	क्रो	ध

सूडोकु -3839

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3838 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3839

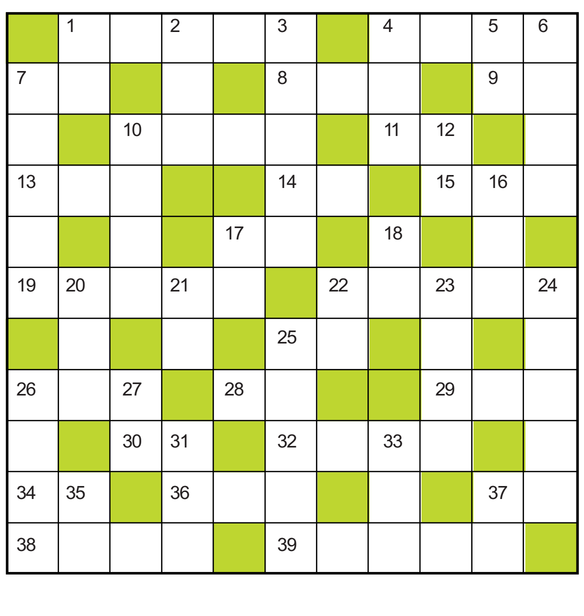

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -3838 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	म्बा	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ग्य	■	व	ज	न	दा	र
■	ह	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ह
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	रा	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ह	ज	न	■	ज	हा	ज	चा	ल	न

एमजीएल ने पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए ग्राहकों को दिए नए प्रोत्साहन

नए कनेक्शन पर मुफ्त गैस और छूट की सौगात

नई दिल्ली ।

महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मंगलवार को घरेलू ग्राहकों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई नई सुविधाओं की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि 16 मार्च से 30 अप्रैल तक नए कनेक्शन लेने वाले ग्राहकों को 500 रुपये तक की मुफ्त गैस मिलेगी। इसके अलावा, उन नई इमारतों में जहां पीएनजी की पैठ 60 प्रतिशत से अधिक है, प्रति ग्राहक 1,000 रुपये तक का बिल समायोजन किया जाएगा। एमजीएल वेब रजिस्ट्रेशन कराने वाले ग्राहकों को 500 रुपये का तत्काल डिस्काउंट भी मिलेगा, जबकि गैस न उपयोग करने की अवधि में न्यूनतम शुल्क माफ रहेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि जल्द ही शून्य अग्रिम रजिस्ट्रेशन शुल्क की सुविधा शुरू की जाएगी, जिसमें भुगतान केवल कनेक्शन मिलने के बाद करना होगा। व्यावसायिक ग्राहकों के लिए भी एमजीएल ने रजिस्ट्रेशन शुल्क माफ कर दिया है। इसके अलावा डाउनस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च कंपनी खुद वहन करेगी। यह कदम पीएनजी को सभी प्रकार के ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। एमजीएल ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य पाइप्ड और कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना और सेवा के उच्च मानक बनाए रखना है। कंपनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। एमजीएल के प्रबंध निदेशक आशू सिंघल ने कहा कि ये पहल प्राकृतिक गैस के दायरे को बढ़ाने और देश में स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

ईरान ने कहा, नये नियमों के तहत होर्मुज से निकल सकते हैं विदेशी जहाज

सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा

नई दिल्ली।

ईरान ने कहा है कि विदेशी जहाज अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर सकते हैं, लेकिन उन्हें ईरानी नियमों का पालन करना होगा और किसी भी तरह की आक्रामक गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहिए। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन को भेजे गए 22 मार्च के एक पत्र में दी। पत्र के अनुसार सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा। सूत्रों के मुताबिक ईरान ने कुछ व्यावसायिक जहाजों से ट्रांजिट शुल्क लेना भी शुरू कर दिया है। इस कदम से यह साफ संकेत मिलता है कि दुनिया के सबसे अहम समुद्री ऊर्जा मार्ग पर ईरान का नियंत्रण बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस जलमार्ग पर जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी, और फिलहाल केवल कुछ ही जहाज ईरान के तट के पास से होकर गुजर रहे हैं। ईरान ने स्पष्ट किया कि केवल गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को अनुमति दी जाएगी। जहाजों को ईरान के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई में शामिल नहीं होना चाहिए और तय सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। जिन देशों को ईरान आक्रामक मानता है, उनके जहाजों के गुजरने पर रोक रहेगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का नियंत्रण तेल, गैस, खाद्य सामग्री और धातुओं की आपूर्ति पर सीधे असर डालता है। इस मार्ग पर व्यवधान से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आई है। एशियाई देशों में गैस की कमी और ईंधन की राशनिंग की आशंका बढ़ी है। निवेशक स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं, और आवाजाही बढ़ी तो तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

ग्लोबल संकेत पॉजिटिव और कच्चे तेल के दाम में गिरावट के कारण भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन निवेशकों के पोर्टफोलियो हरे निशान पर बंद,

सेंसेक्स 1205 अंक चढ़कर 75,273 पर बंद, निफ्टी में भी 394 अंक की तेजी रही, दो दिन में निवेशकों को 18 लाख करोड़ की कमाई!

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में वॉर थमने के संकेत को देखते हुए कच्चे तेल के दाम में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। ग्लोबल ब्रेंट क्रूड ऑयल 4.34 प्रतिशत गिरकर 99.95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जो बाजार के लिए अच्छा संकेत है। इस कारण मंगलावार के बाद बुधवार को भी भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी आई। शेयर बाजार में तेजी के कारण बुधवार को निवेशकों ने जबरदस्त कमाई की। 24 मार्च को बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.78 लाख करोड़ रुपये था, जो बुधवार को बढ़कर 431 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को 9 लाख करोड़ की कमाई हुई है। वहीं मगंलवार को भी करीब 9 लाख रुपये का इजाफा हुआ था। ऐसे में देखा जाए तो 2 दिनों के दौरान 18 लाख करोड़ की कमाई हुई है।बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 1205 अंक या 1.63 फीसदी चढ़कर 75273 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 394 अंक या 1.72 फीसदी उछलकर 23,306 पर क्लोज हुआ। निफ्टी बैंक में भी 1100 अंकों की तेजी आई। बीएसई टॉप 30 के 26 शेयरों में तेजी रही, जबकि 4 स्टॉक गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन के शेयरों में 4 फीसदी की रही। इसके साथ ही इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। बीएसई के 2,953 शेयरों में तेजी

देखने को मिली, जबकि 1,362 शेयरों में गिरावट रही। 67 शेयर 52 वीक के हाई पर और 245 शेयर 52 वीक के लो पर थे। 188 शेयरों में अपर सर्किट लगा और 173 शेयरों में लोअर सर्किट दिखाई दिया।

रुपया 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले दिन 23 पैसे टूटकर93.76 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से निवेशक चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा में अधिक गिरावट को रोक दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रखा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला जो पिछले बंद भाव से 18 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 23 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.76 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.28 पर रहा।

आंध्र प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें- ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी

ऊर्जा मंत्री ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी

अमरावती ।

आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी रवि कुमार ने निवेशकों से राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और उन्हें समय पर चालू करने का आग्रह किया है। मंत्रालय के अनुसार, सचिवालय में ब्रुकफील्ड-एक्सिस के प्रतिनिधियों और एनआरईडीकैप के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। रवि कुमार ने कहा कि परियोजनाओं को बिना किसी देरी के पूरा करना निवेशकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। साथ ही, जमीनी स्तर पर आने वाली किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत सरकार को दी जाए ताकि उसका तत्काल समाधान किया जा सके। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि उपलब्धता, आधारभूत ढांचा और आवश्यक मंजूरियों सहित सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने कहा कि निवेश में बाधा बनने वाली समस्याओं को सक्रिय रूप से दूर करना आवश्यक है और राज्य में सहज निवेश माहौल तैयार करना प्राथमिकता है। रवि कुमार ने कहा कि सरकार एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण को दोहराया, जिसमें आंध्र प्रदेश को देश की 'बैटरी स्टोरेज कैपिटल' बनाने की योजना है। मंत्री ने यह भी कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे राज्य में सतत विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर 2 साल में 3 लाख करोड़ पार करने को तैयार

डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ का योगदान दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट (एमएंडई) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और अगले दो साल में यह सवा 3 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। फिक्की-ईवाई एम एंड ई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडस्ट्री सालाना 7 फीसदी की दर से बढ़कर 2028 तक 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में डिजिटल मीडिया और एंटरटेनमेंट ने सबसे बड़ा हिस्सा ले लिया। इसने 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कुल विज्ञापन इंडस्ट्री 13.5 फीसदी बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो भारत की जीडीपी का 0.41 फीसदी है। लाइव इवेंट्स सेगमेंट ने साल 2025 में 44 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की। इसमें टिकट वाले इवेंट, शादियां, सरकारी और धार्मिक कार्यक्रम शामिल हैं। डिजिटल सब्सक्रिप्शन 60 फीसदी बढ़कर 16,300 करोड़ रुपये हो गया। भारत में 14.3 करोड़ घरों में 21.6 करोड़ पेड वीडियो सब्सक्रिप्शन मौजूद हैं, जो प्रीमियम फिल्मों और खेलों के कारण बढ़े। पेड म्यूजिक सब्सक्रिप्शन 37 फीसदी बढ़कर 1.44 करोड़ हो गए।

वीडियो गेम्स में अगस्त 2025 से लागू मनी गेमिंग बैन के कारण 17 फीसदी गिरावट आई।

प्रिंट मीडिया विज्ञापन में 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी के साथ स्थिर रहा। कुल विज्ञापन बाजार 1.11 लाख करोड़ से बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गया।

डिजिटल विज्ञापन का हिस्सा बढ़कर 60 फीसदी तक पहुंच गया, और इस सेक्टर में 22 फीसदी से अधिक की ग्रोथ देखी गई।

घरेलू गैस बुकिंग में नए नियमए सालाना कोटा अब सख्त

पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए 25 दिन इंतजार करना होगा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। अब भारत पेट्रोलियम ;बीपीसीएलद्ध ग्राहकों को महीने में केवल दो सिलेंडर ही बुक करने की अनुमति देगा। इससे अधिक बुकिंग करने की कोशिश करने पर सिस्टम ऑटोमैटिक ब्लॉक कर देगा या कड़ी पूछताछ होगी।सरकार हर वित्तीय वर्ष ;अप्रैलदूमार्चद्ध में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देती है। इसके अलावा ग्राहक साल भर में 3 अतिरिक्त सिलेंडर बिना सब्सिडी के ले सकते हैं। कुल मिलाकर एक कनेक्शन पर साल में 15 सिलेंडर ही उपलब्ध होंगे। पिछले नियमों के अनुसार दो सिलेंडरों के बीच 21 दिन का अंतर था। नए नियम के तहत अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। इसका मतलब है कि पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए कम से कम 25 दिन इंतजार करना होगा। यदि ग्राहक का सालाना कोटा पूरा हो गया और फिर भी गैस चाहिएए तो उसे हैलो बीपीसीएल ऐप के माध्यम से आवेदन करना होगा। ऐप पर कारण बताना अनिवार्य होगाए जैसे शादीए फंक्शन या आने वाले मेहमान। कंपनी समीक्षा के बाद ही एक्स्ट्रा सिलेंडर देगी। सिलेंडर डिलीवरी के समय मोबाइल पर वन.टाइम पासवर्ड ;डीएसीद्ध अनिवार्य होगा। केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही बुकिंग मान्य होगी। इसके अलावा ईकेवायसी पूरी होना जरूरी हैए नहीं तो सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में परेशानी हो सकती है।

इंडिगो में प्रबंधन बदलाव, आलोक सिंह बने मुख्य रणनीति अधिकारी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रमुख आलोक सिंह को अपना नया मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया है। वह 6 अप्रैल 2026 से अपने पद पर कार्यभार संभालेंगे। यह कदम कंपनी की रणनीति को मजबूत करने और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने 10 मार्च 2026 से अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे का कारण दिसंबर 2025 में हुए गंभीर परिचालन संकट से उत्पन्न दबाव बताया गया है। इस बीच राहुल भाटिया, प्रबंध निदेशक, अंतरिम रूप से सीईओ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संचालन की निगरानी कर रहे हैं। 3 से 5 दिसंबर के बीच कंपनी को 2500 से अधिक उड़ानें रद्द और लगभग 1800 उड़ानें विलंबित करनी पड़ीं, जिससे तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए।

इन्फोसिस बोर्ड के सामने बड़ा फैसला, पारिख का तीसरा कार्यकाल या नई शुरुआत?

- पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को मजबूती प्रदान की

नई दिल्ली ।

इन्फोसिस के इतिहास में 2027 वर्ष महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, क्योंकि 31 मार्च को कंपनी के सीईओ सलिल पारिख का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को स्थिरता और मजबूती प्रदान की। अब बोर्ड के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि तेजी से बदलते एआई के दौर में कंपनी का नेतृत्व कौन करेगा। सूत्रों के अनुसार पारिख को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जा सकता है, लेकिन यह शायद छोटा (1-2 साल) होगा। इसके विकल्प के रूप में बोर्ड उन्हें चेयरमैन बना सकता है और नए सीईओ की नियुक्ति कर सकता है। औपचारिक घोषणा जून में होने वाली वार्षिक आम बैठक में की जा सकती है। इन्फोसिस की सेवानिवृत्ति नीति के अनुसार कार्यकारी निदेशकों की उम्र 60 वर्ष है। पारिख पहले ही इस उम्र को पार कर चुके हैं, लेकिन बोर्ड और शेयरधारकों की मंजूरी से कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। एचएफएस रिसर्च के संस्थापक फिल फर्स्ट का कहना है कि पारिख का तीसरा कार्यकाल निवेशकों के लिए मिश्रित संदेश दे सकता है। एक ओर यह स्थिरता का संकेत देगा और पारिख के अनुभव, अनुशासन और निवेशकों व ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध को कायम रखेगा।

दूसरी ओर, कुछ निवेशक यह सवाल कर सकते हैं कि क्या इन्फोसिस तेजी से बदलते एआई युग में खुद को अनुकूल बना पा रही है। पारिख ने 2023-24 में एआई-प्रथम रणनीति लागू की और 2025-26 की तीसरी तिमाही में एआई-संबंधित राजस्व कुल आय का 5.5 फीसदी था। कंपनी ने दूरसंचार वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में एआई समाधान विकसित करने के लिए एंथ्रोपिक के साथ साझेदारी की है।

उनके नेतृत्व में इन्फोसिस की आय 70,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.62 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 16,029 करोड़ से 26,713 करोड़ रुपये तक पहुँच गया।

इस दौरान 12-13 रणनीतिक अधिग्रहण भी हुए। 2027 इन्फोसिस के लिए नेतृत्व, निवेशक विश्वास और एआई-आधारित भविष्य रणनीति के लिहाज से निर्णायक साल साबित होगा। बोर्ड का फैसला कंपनी की दिशा और प्रतिस्पर्धा को तय करेगा।

एलपीजी बुकिंग समयसीमा में कोई बदलाव नहीं, सरकार ने अफवाहों को किया खारिज

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलिंडर

नई दिल्ली ।

हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियम बदल दिए गए हैं। इन दावों के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयवाय) कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इसे भ्रामक और गलत बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले जैसी ही रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की अवधि सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और अनावश्यक बुकिंग से बचें। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कोई कमी की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। पेट्रोल और डीजल का भंडार भी पर्याप्त है और एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन का विस्तार भी तेजी से हो रहा है।

सिर्फ एक दिन में 7,500 नए कनेक्शन दिए गए हैं। मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे निगरानी और वितरण व्यवस्था को मजबूत करें, ताकि आपूर्ति पूरी तरह सुचारू बनी रहें।

एसएंडपी ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी खपत, निवेश एवं निर्यात वृद्धि के प्रमुख चालक रहेंगे। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी नवीनतम त्रैमासिक आर्थिक टिप्पणी में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के माध्यम से असर पड़ सकता है। इसमें कहा गया कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, ताकि सब्सिडी लागत को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि कीमतों का पूरा असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने के आसार नहीं हैं। एसएंडपी ने कहा कि हमारा अनुमान है कि 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत और 2026-27 के लिए 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। एसएंडपी के अनुसार महंगाई के कम स्तर से सामान्य पर आने से वित्त वर्ष 2026-27 में इसके बढ़कर 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों से व्यापार घाटा बढ़ने का अनुमान है, हालांकि सेवाओं के व्यापार में मजबूत अधिशेष से चालू खाते के घाटे को सीमित रखने में मदद मिलेगी। एजेंसी का अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फिलहाल नीतिगत दरों को स्थिर रखेगा और रुख 'तटस्थ' बनाए रखेगा।

मारुति सुजुकी 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहन भेजने की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत करेगी- सीईओ

वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। वर्तमान में यह हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि मानेसर संयंत्र के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) से जून 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख वाहनों की ढुलाई (डिस्पैच) की जा चुकी है। इससे करीब 16,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन कम हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी ने रेलवे के जरिये 5.85 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई कर रिकॉर्ड बनाया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दशक में हमारी आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स में रेल परिवहन की हिस्सेदारी 2016 के पांच प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारी योजना 2030-31 तक रेल आधारित वाहन ढुलाई की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। यह कुशल और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स विकसित करने तथा भारत के शुद्ध शून्य लक्ष्य में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। कंपनी के अनुसार मानेसर रेलवे साइडिंग भारत में मोटर वाहन क्षेत्र की सबसे बड़ी इकाई के भीतर स्थापित रेलवे सुविधा है। वहीं गुजरात रेलवे साइडिंग के बाद यह मोटर वाहन उद्योग तथा कंपनी के लिए दूसरा पीएम गतिशक्ति इन-प्लांट टर्मिनल है। इस रेलवे साइडिंग के माध्यम से कंपनी 17 केंद्र के जरिये 380 शहरों तक वाहनों की आपूर्ति कर रही है, जिसके लिए समर्पित 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे साइडिंग में हब-एंड-स्पोक मॉडल एक केंद्रीकृत माल ढुलाई प्रणाली है। इसमें प्रमुख रेलवे साइडिंग हब (केंद्र) के रूप में कार्य करती है, जहां दूर-दराज के स्थानों या छोटे स्टेशन (स्पोक) से माल सड़क मार्ग से लाया जाता है। केंद्र पर माल इकट्ठा कर रेल द्वारा आगे लंबी दूरी के लिए भेजा जाता है। इससे समय और लागत दोनों कम होते हैं।

मिचेलसन को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचें सिनर

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही सिनर मियामी ओपन के अपने पहले पांच मुकाबलों में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल यानिक नोह और स्टीफन एडबर्ग को हासिल हुई थी। सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से पीछे होने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। जीत के बाद

सिनर ने कहा कि अच्छी सर्विस के कारण ही वह जीत हासिल कर पाये हैं। साथ ही कहा कि खिताबी जीत के लिए अभी उन्हें काफी प्रयास करना होगा। इसके लिए उन्हें खेल का स्तर ऊंचा उठाना होगा। इसके लिए वह ब्रेक के दौरान अभ्यास करेंगे। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के युवा खिलाड़ी मार्टन ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सेबेस्टीयन कोर्डा को 2-6, 7-6(6), 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान बनाया। अब उनका सामना जिरी लेलेका से होगा। से होगा। लेलेका ने टेलर फिट्ज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

कोको गाफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा ।अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं।गाफ ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड की मेलिंडा बेनसिस को हराया।गॉफ ने इस मुकाबले के बीच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।मैच में गाफ ने पहला सेट 6-3 से जीता पर दूसरे सेट में उसे 1-6 से हार का सामना करना पड़ा।वहीं तीसरे सेट में गाफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला 6-3, 1-6, 6-3 से अपने नाम किया ।जीत के बाद गाफ ने कहा, यह एक कठिन मैच था। बेलिंडा काफी अच्छी खिलाड़ी हैं।इस मैच में जीत के लिए मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा।अब सेमीफाइनल में गाफ का सामन चेक गणराज्य की केरोलिन मुचोवा से होगा। यह मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

लिवरपूल को झटका, सालाह सीजन के आखिर में छोड़ देंगे टीम

लंदन ~ मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को घोषणा की कि वह सीजन के आखिर में लिवरपूल एफसी छोड़ देंगे, जिससे एनफील्ड में उनका शानदार समय खत्म हो जाएगा।33 साल के इस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस खबर को कन्फर्म करते हुए कहा, 'बदकिस्मती से वह दिन आ गया है। यह मेरे फेयरवेल का पहला हिस्सा है,' और फिर कहा, 'मैं सीजन के आखिर में लिवरपूल छोड़ दूंगा।' सालाह ने अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लिवरपूल ने कहा कि दोनों पार्टियों ने उनके भविष्य को लेकर 'एक एग्रीमेंट' कर लिया है जिससे वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं।उनके अपने ऊंचे स्टैंडर्ड के हिसाब से, पिच पर यह एक मुश्किल कैंपेन रहा है।सालाह ने सभी कॉम्पिटिशन में 34 मैचों में 10 गोल किए हैं, जिससे 2017 में क्लब जॉइन करने के बाद से उनका सीज़न का सबसे कम गोल हो गया है।ऑफ-फील्ड दिक्कतों ने भी इसमें भूमिका निभाई है।दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें 'बस के नीचे फेंक दिया' था और बताया कि हेड कोच आर्ने स्लॉट के साथ उनका रिश्ता टूट गया था।हालांकि जनवरी में उनके बाहर होने की अटकलें थीं, लेकिन अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद वह टीम में वापस आ गए।यह अभी साफ नहीं है कि सालाह अगले सीजन में कहां खेलेंगे।लिवरपूल ने कहा कि उन्होंने सपोटर्स के लिए 'सम्मान और आभार' दिखाने और अपने भविष्य के बारे में साफ जानकारी देने के लिए यह घोषणा जल्दी करने का फैसला किया।

नेपाल में जन्मे डिफेंडर भारती हांगकांग के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय शिविर में

नई दिल्ली ~ नेपाल में जन्मे डिफेंडर अबनीत भारती हांगकांग के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय सीनियर पुरूष टीम के कोच्चि में चल रहे शिविर में जुड़ गए हैं।इससे एक दिन पहले इसी मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया में जन्मे रियान विलियम्स को टीम में शामिल किया गया था।अब भारत के शिविर में पहली बार दो विदेश में जन्मे खिलाड़ी हैं जिन्हें हाल ही में भारतीय पासपोर्ट मिला है। विलियम्स बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल सके थे क्योंकि फीफा से उन्हें मंजूरी देर से मिली। अब वह हांगकांग के खिलाफ 31 मार्च को भारत के लिए पदार्पण करेंगे।भारत 2027 में सउदी अरब में होने वाले एएफसी एशियाई कप की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है। अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं, ऐसे में टीम को अनवर अली के साथ भरोसेमंद सेंटर बैक की जरूरत है जो भारती हो सकते हैं।भारती अभी फीफा से मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं।नेपाल में जन्मे भारती ने नाइजीरिया में स्कूली दिनों में गोलकीपर के रूप में शुरूआत की थी।भारत आने के बाद उन्होंने डिफेंडर के तौर पर खेलना शुरू किया और बीजीएस इंटरनेशनल स्कूल तथा शास्त्री एफसी के लिए खेले।सिंगापुर में गेलांग इंटरनेशनल के साथ अभ्यास करने के बाद वह स्पेन में रीयाल वाल्लाडोलिड अकादमी से जुड़े।उन्होंने जर्मनी में भी चयन ट्रायल दिए थे। वह 2019 में केरला ब्लास्टर्स के साथ जुड़े लेकिन करार नहीं हो पाया।इसके बाद से वह चेक गणराज्य में और उधार पर किर्गीस्तान, पनामा, अर्जेंटीना और अब बोलिविया में खेलते रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने जीती टी20 सीरीज, पांचवें मैच में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराया

KFC
T20i SERIES
WINNERS

हेग्ले ओवल (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने हेग्ले ओवल में खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराकर न सिर्फ मैच जीता है, बल्कि 3-2 से सीरीज अपने नाम कर ली है।

न्यूजीलैंड को इस मैच और सीरीज को जीतने के लिए 188 रन का लक्ष्य मिला था। बड़े लक्ष्य के दबाव और दक्षिण अफ्रीका की कसी हुई गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सका। अच्छी शुरुआत नहीं मिलने की वजह से न्यूजीलैंड कभी भी जीत की तरफ जाती नहीं दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना सकी।

कीवी टीम के लिए बेवोन जैकब्स ने 19 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से सर्वाधिक 36 रन की पारी खेली। इसके अलावा, टॉम रॉबिनसन ने 25 और डेन क्लिवर ने 22 रन की पारी खेली। कप्तान जिमी निशम ने 24 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्जी, ओटनिल बार्टमैन, और वियान मुल्डर ने 2-2, जबकि कप्तान केशव महाराज ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टोनी डे जॉर्जी 12 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में 21 के स्कोर पर आउट हुए थे। दूसरे विकेट के लिए वियान मुल्डर और रूबिन हरमन ने 55 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। मुल्डर 29 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने रूबिन हरमन के साथ 49 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 125 था, हरमन 31 गेंदों पर 39 रन बनाकर आउट हुए।

एस्टरहुइजन और डियान फोरेस्टर ने चौथे विकेट के लिए 27 गेंदों पर 61 रन की तूफानी साझेदारी की। एस्टरहुइजन 33 गेंदों पर 6 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुए। फोरेस्टर 13 गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट पर 187 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड की धरती पर पहली बार टी20 सीरीज जीती है।

आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल हैं बुमराह के नाम

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य नये रिकार्ड बनाना रहेगा। बुमराह ने आईपीएल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनकी गेंदबाजी में एक कमी भी रही है और वह ये कि बुमराह आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल फेकने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने अपने करियर में अब तक कुल 32 नो बॉल किये हैं। वहीं बुमराह के अलावा उमेश यादव 24 और ईशांत शर्मा 23भी इस सूची में शामिल हैं।

बुमराह ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए साल 2013 में पदर्पण के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मुबई के लिए डेब्यू के बाद से ही वह इसी फ्रेंचाइजी के साथ हैं और वह टीम के सबसे मुख्य गेंदबाज बने हैं। इस लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद ही वह सबकी नजरों में आये थे। भारतीय टीम में उनके प्रवेश के पीछे भी आईपीएल में किया प्रभावी प्रदरर्शन रहा है।

आईपीएल करियर की बात करें तो बुमराह ने अबतक कुल 145 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने मुंबई के लिए 22.02 की औसत से कुल 182 विकेट लिए हैं। आईपीएल में बुमराह ने 2 बार 5 विकेट लिए है जबकि 3 बार 4 विकेट लिए हैं। मुम्बई की पांच बार की खिताबी जीत में भी उनके अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। केवल एक मामले में उनपर दाग लगा है और वह ये है कि उनके नाम सबसे ज्यादा नो बाल हैं। प्रवीण ने 2008 से 2017 के बीच कुल 119 मुकाबले खेल। इस दौरान उन?होंने 420.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 14 ओवर मेडन फेंके और 90 विकेट अपने नाम किए।

अमेलिया के अच्छे प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

सीरीज 4-1 से जीती

LIFE DIRECT .CO.NZ
T20i SERIES
WINNERS

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। अमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की महिला टीम ने यहं खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज को 4-1 से जीता। अमेलिया ने इस मैच में 105 रन बनाने के साथ ही दो विकेट भी लिए। इस मैच में अमेलिया के शतक से कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नो विकेट पर 102 रन ही बना सकी और 92 रनों से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज इस मैच में कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल एनरी डकर्सन ही सबसे अधिक 23 रन बनाये। उनके अलावा सुने लूस ने 13 जबकि कायला रेनेके ने 10 रनों रन बनाये। अयाबोंगा खाका ने 12 रन बनाये। वहीं बचे हुए सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड की ओर से ताहिलिया तहूहू ने तीन विकेट जबकि सोफी डिवाइन और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए। वहीं नेंसी पटेल और फ्लोरा डेवनशायर ने एक-एक विकेट लिया। आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने टॉस जीतकर कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहला विकेट शुरुआत में ही 9 रन के स्कोर पर खो दिया पर अमेलिया एक छोर पर टिकी रहीं। वहीं जॉर्जिया प्लिमर ने 27 जबकि ब्रूक हैलिडे ने 26 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका और टुमी सेखुखुने ने तीन-तीन खिलाड़ियों को आउट किया।

आईपीएल में वापसी को तैयार हैं तेज गेंदबाज मयंक

लखनऊ (एजेंसी)। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण खेल से दूर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल के इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। मयंक ने कहा कि पहले वह अपने शरीर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे पर अब वह करियर को बचाने के लिए काफी सजग हैं। मयंक को कई बार चोट के कारण खेल से दूर होना पड़ा है। आईपीएल 2024 में चोट लगने से उन्हें बड़ा झटका लगा था। इसके बाद वह लगातार चोट से परेशान रहे और आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों के बाद बाहर हो गए।

अब वह बेंगलुरु के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिहैबिलिटेशन पूरा करके आईपीएल में वापसी को तैयार हैं। मयंक ने कहा, 'सर्जरी के बाद मेरे लिए सब कुछ बदल गया। पहले मैं अपना ध्यान नहीं रखता था। रिकवरी सत्र से बचता था और कई चीजों को नजरअंदाज करता था पर अब मैं रिकवरी, पोषण और नींद पर पूरा ध्यान देता हूं। जितना मैं अपने शरीर का सम्मान कर रहा हूं, उतना ही मेरा शरीर भी मैदान पर मेरा साथ दे रहा है।' मयंक ने कहा कि एनसीए में उनकी मुलाकात जसप्रीत बुमराह से हुई, जिन्होंने भी ऐसी ही सर्जरी कराई थी। उनके साथ मेरा अच्छा तालमेल है। उन्होंने इसको लेकर मुझे काफी सुझाव दिये जिनका मैं अब पालन कर रहा हूं। तब उन्होंने कहा था कि सर्जरी के बाद वापसी करने पर किन चीजों पर ध्यान देना चाहिए। इस बारे में उनके अनुभवों से मुझे सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि रिकवरी के दौरान शरीर कैसा महसूस करेगा और इस कठिन समय का सामना कैसे करना है। मयंक का अब तक का करियर चोटों से प्रभावित रहा है। साल 2022 में आईपीएल में प्रवेश के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था। दो सीजन बाद 2024 में उन्हें डेब्यू का अवसर मिला। इस गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में ही 150 किमी की गति से गेंदबाजी कर सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने सत्र की सबसे तेज गेंद गेंद 156.7 किमी प्रति घंटे रफ्तार से फेंकी।

वैभव के पास अच्छा बल्लेबाजी कौशल : जितेश

मुम्बई ।विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने उभरते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है।जितेश के अनुसार वैभव एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा आक्रामक बल्लेबाजी पसंद करते हैं।उनके पास अच्छा कौशल है और वह आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में छा सकते हैं।वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में ही काफी कुछ हासिल कर लिया है।पहले आईपीएल में ही उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था।इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भी शानदार प्रदर्शन किया।उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली।इसके बाद भी इस बार आईपीएल में उनकी राह आसान नहीं रहेगी।इस बार उनकी कड़ी परीक्षा होगी।पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद अब सभी टीमों के गेंदबाज उनकी बल्लेबाजी का आंकलन कर उनाक कमजोर पक्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं और उन सभी का लक्ष्य उस क्षेत्र में गेंदबाजी करना रहेगा जिसमें वह कमजोर हैं।इस बार टीम में संजू सैमसन के नहीं होने से भी वैभव को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी।ये भी हो सकता है कि उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है।वहीं दक्षिण अफ्रीक के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने वैभव को अंडर-19 में बल्लेबाजी करते हुए देखा है। डिविलियर्स ने कहा, जब आपको आईपीएल और बड़ी क्रिकेट लीग का अनुभव मिलता है और आप फिर भी उसी स्तर का प्रदर्शन करते हैं, तो यह आसान नहीं होता।उन्होंने जिस तरह से अंडर-19 विश्व कप में खेला, उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ।मैं उनके खेलने के तरीके की बात कर रहा हूं।उन्होंने अपने गेम प्लान पर कायम रहते हुए खेला।जैसे उन्होने आईपीएल में खेला, वैसे ही वहां भी खेला।

हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दोहरे नामांकन से खुद पर भरोसा मजबूत हुआ : गोलकीपर प्रिंस दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक सीनियर टीम में पदार्पण नहीं करने के बावजूद हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दो नामांकन पाने वाले युवा गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने कहा कि इससे उनका खुद पर भरोसा मजबूत हुआ है। सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे 21 वर्ष के प्रिंस दीप को हॉकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और हॉकी इंडिया जुगराज सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है। ये पुरस्कार शुक्रवार को यहां दिये जाएंगे।

प्रिंस दीप ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं और गर्व महसूस कर रहा है। ऐसे पुरस्कारों के लिये नामांकन पाने में समय लगता है लेकिन मुझे जल्दी मिल गया। टूर्नामेंटों में अच्छे प्रदर्शन और शीर्ष गोलकीपरों के साथ अपना नाम देखकर काफी प्रेरणा मिल रही है।' उन्होंने कहा, 'भारत के पास बेहतरीन गोलकीपर हैं। उनके बीच नामांकन पाना और वह भी सीनियर टीम में पदार्पण से पहले, खास है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला है कि मैं सही रास्ते पर हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह इस सम्मान से मिला सबसे बड़ा तोहफा है। इससे खुद पर संशय नहीं रह गया और आगे अच्छा करने की प्रेरणा मिली है। अब मुझे पता है कि मैं सही राह पर हूं और लगातार सुधार करता रहूंगा।' प्रिंस दीप 2024 FIH जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जोहोर कप 2025 में रजत और पिछले साल चेन्नई में FIH जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

पठानकोट के रहने वाले प्रिंस दीप ने शुरूआत फुल बैक के रूप में बटाला की चीमा हॉकी अकादमी में की थी। उन्होंने बताया, 'मैं फुटबॉल में गोलकीपर के रूप में खेलता था और कुछ अच्छे गोल बचाए। मेरे कोचों ने मेरा कद देखकर हॉकी में गोलकीपिंग का सुझाव दिया। वहीं से शुरूआत हुई।'

शाकिब अल हसन की लंबे समय के लिए वापसी चाहते हैं बशर

ढ़ाका।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नये चयन पैनल के चेयरमैन हबीबुल बशर के आने के बाद टीम में ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी की उम्मीदें जतायी जा रही हैं।बशर ने साफ किया कि वह न्यूजीलैंड सीरीज ही नहीं लंबे समय तक शाकिब को टीम में शामिल करना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि फोकस शाकिब अभी देश में नहीं है।इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में रहेंगे या नहीं।साथ ही कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो स्वयं भी खेलना चाहेगा पर उसे भी तैयारी की जरूरत है।साथ ही कहा, मुझे नहीं लगता कि शाकिब एक सीरीज के लिए आएंगे और फिर चले जाएंगे।अगर हमें उनकी सेवाएं मिल सकती हैं तो हम चाहेंगे कि वह लंबे समय तक अपनी सेवा द दें।मुझे लगता है कि वह अभी दो साल खेल सकते हैं।उन्होंने साथ ही कहा, कई लोग रिटायरमेंट की बात करते हैं, जैसे, हमने मुशफिकुर रहीम के संन्यास की बातें देखी हैं।मैंने कहा है कि वे जितना ज्यादा समय तक खेलेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा।हम उन्हें जितना ज्यादा टीम में शामिल कर सकते हैं, टीम के लिए उतना ही अच्छा होगा और जब हम उन्हें चुनते हैं, तो ऐसा नहीं होता कि वे आकर रिटायर हो जाएं।मैं उन्हें लंबे समय के लिए चाहता हूं, कम से कम उनके पास ऐसा प्लान हो कि वे 2027 विश्व कप खेल सकें।इसलिए मेरी योजना केवल एक सीरीज के लिए नहीं हैं।बशर ने कहा है कि उनका पहला ध्यान इस बात पर है कि बांग्लादेश की टीम एकदिवसीय विश्वकप के लिए सीधे क्वालीफाई करे।विश्वकप अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है।

आईपीएल में प्रशांत वीर सहित इन उभरते हुए खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार प्रशांत किशोर सहित पांच उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा। ऐसे में ये सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने के इरादे से उतरेंगे। आईपीएल एक ऐसा मंच है जिसपर उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिलता रहा है और ये ही इस बार भी हो रहा है।

प्रशांत वीर : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने प्रशांत को 14.2 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदकर सबको हैरान कर दिया था। प्रशांत निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह बाएं के एक अच्छे स्पिनर हैं। जिसकी घूमती हुइ गेंदों का सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। प्रशांत को ऑलराउडर रविन्द्र जडेजा की कमी करने शामिल किया गया है। ऐमें सभी की नजरें उनपर रहेंगी। यूपी टी20 लीग 2025 में प्रशांत ने 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 320 रन बनाए थे, जबकि 6.69 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट भी निकाले थे।

कार्तिक शर्मा: कार्तिक को चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में 14.2 करोड़ की मोटी रकम लगाकर खरीदा है। कार्तिक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण सभी की नजरों में आये। लंबे-लंबे छक्के लगाना कार्तिक की खूबी है।

आकिब नबी डार: तेज गेंदबाज आकिब नबी की शानदार गेंदबाजी से जम्मूकश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने में सफल रही। आकिब इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते नजर आयें। अब देखना है कि वह इमसें कितना प्रभावित करते हैं।

मुकुल चौधरी: विकेटकीपर-बल्लेबाज मुकुल चौधरी लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से उतरेंगे। मुकुल राजस्थान की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस घरेलू सीजन में उन्होंने 5 पारियों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 173 रन बनाए थे। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण मैच विजेता माने जाते हैं।

अशोक शर्मा: अशोक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली में 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए सभी का ध्यान खींचा था। इस टूर्नामेंट में अशोक ने 10 मुकाबलों में कुल 22 विकेट लिए थे। अब वह लीग में गुजरात टाइटंस की ओर से नजर आएंगे। अशोक को अगर मौका मिला, तो वह जरूर इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

आकिब नबी डार:
प्रशांत वीर :
कार्तिक शर्मा:
मुकुल चौधरी:

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं–

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

हर साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए –

आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं–

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्माश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

‘भूत बंगला’ में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं

फिल्म ‘भूत बंगला’ को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं।

अक्षय कुमार के साथ बिठाया तालमेल सूत्रों के अनुसार फिल्म ‘भूत बंगला’ में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

पिछले दिनों फिल्म ‘भूत बंगला’ का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म ‘भूत बंगला’ में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

‘धुरंधर 2 में’ परवीर कौर ने कम स्क्रीन टाइम के बावजूद जीता सबका दिल

‘धुरंधर 2’ में एक छोटा सा सीन आता है, जहां जसकीरत सिंह रंगी और उनकी छोटी बहन जसलीन से मिलता है। वो सीन काफी इमोशनल होता है। आइए उस एक्ट्रेस के बारे में जानते हैं, जिन्होंने ये किरदार निभाया।

परवीर कौर पंधेर फिल्म में जसलीन कौर रंगी का किरदार निभाती हैं। परवीर पंजाबी सिनेमा की उभरती हुई एक्ट्रेस और सिंगर हैं और इस फिल्म के साथ उनका बॉलीवुड में डेब्यू था। पंजाब की रहने वाली परवीर कौर पंधेर ने पंजाबी म्यूजिक वीडियोज, गानों और फिल्मों के जरिए मजबूत फैनबेस बनाया है। इंस्टाग्राम पर उनके 8.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपने सिंगर से एक्टर बनने के सफर को शेयर करती रहती हैं। भले ही परवीर कौर पंधेर का स्क्रीन टाइम कम था, लेकिन जसकीरत सिंह रंगी और जसलीन के सीन ने सबके दिलों में जगह बना ली। ‘धुरंधर 2’ में जसकीरत सिंह रंगी की छोटी बहन जसलीन सिंह किडनैप हो जाती है, जिसे बचाने के लिए जसकीरत एक विधायक के घर में घुसकर अपने पिता और बड़ी बहन की मौत का बदला लेने के लिए 12 लोगों को मार देता है। इसके बाद जसकीरत को उसकी बहन जसलीन एक झोपड़ी में काफी बुरी हालत में मिलती है। इसके बाद भाई-बहन के मिलने वाला इमोशनल सीन, सबके दिल में जगह बना लेता है। इसे ‘धुरंधर : द रिवेंज’ का सबसे इमोशनल सीन भी कहा जा रहा है।

फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं

हाल ही में परवीर कौर पंधेर ने इंस्टाग्राम पर अपने सीन से जुड़ी पोस्ट शेयर की और अपने अनुभव को शेयर किया। उन्होंने लिखा, ‘इस सीन को परफॉर्म करके मुझे सच में अपने आप पर बहुत गर्व महसूस हुआ। खुद को पहचानना मुश्किल था, थोड़ा डर भी लग रहा था। लेकिन वाहीगुरु हमेशा मेरा साथ देता रहा, और इस फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।’

DHURANDHAR 2

अभिनेता और निर्देशक के बाद निर्माता बने कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरुआत की, फिर लीड एक्टर के तौर पर काम किया। पिछले साल निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म बनाई। अब वह अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। कुणाल का मकसद अलग किस्म की फिल्में बनाने का है।

सोशल मीडिया पर कुणाल खेमू ने यह जानकारी साझा की है कि वह प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। इस प्रोडक्शन हाउस को उन्होंने चिराग निहलानी के साथ शुरू किया है। पिछले साल कुणाल ने मडगांव एक्सप्रेस को निर्देशित किया था, यह उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म को दर्शकों ने सराहा था।

कैसी फिल्में बनाएंगे कुणाल खेमू?

अपने प्रोडक्शन हाउस तले कुणाल और चिराग ऐसी कहानियों को सपोर्ट करना चाहते हैं जो मनोरंजक हो, दिलचस्प और दमदार हों। वह ऐसी फिल्में बनाना चाहते हैं, जो क्रिएटिविटी, एटरटेनमेंट का बैलेंस बनाकर चलें। कुणाल खेमू भले ही निर्माता बन गए हों लेकिन वह दूसरे प्रोडक्शन हाउस की फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। इस साल वह फिल्म ‘गोलमाल 5’ में नजर आएंगे। इस फिल्म को रोहित शेट्टी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी के अलावा कई उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन प्रोजेक्ट ‘डोंट बी शाय’ को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म के जरिए इंडस्ट्री के ‘आउटसाइडर्स’ यानी नए चेहरों को मौका देने जा रही हैं। यह बात आलिया ने करण जोहर के साथ अमेजन प्राइम के इवेंट के दौरान शेयर की, जहां दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली। करण ने मजाक करते हुए कहा कि आलिया अब एक समझदार प्रोड्यूसर बन चुकी हैं, वहीं आलिया ने जवाब दिया कि उन्होंने ‘बेस्ट से सीखा है’ कि नए एक्टर्स को कैसे लॉन्च किया जाता है।

‘डोंट बी शाय’ एक आने वाली फिल्म है, जो एक 20 साल की लड़की की कहानी पर आधारित है, जिसकी परफेक्ट लाइफ अचानक बदल जाती है। इस फिल्म को आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। कुल मिलाकर, आलिया अब सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि नए टैलेंट को आगे लाने वाली प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

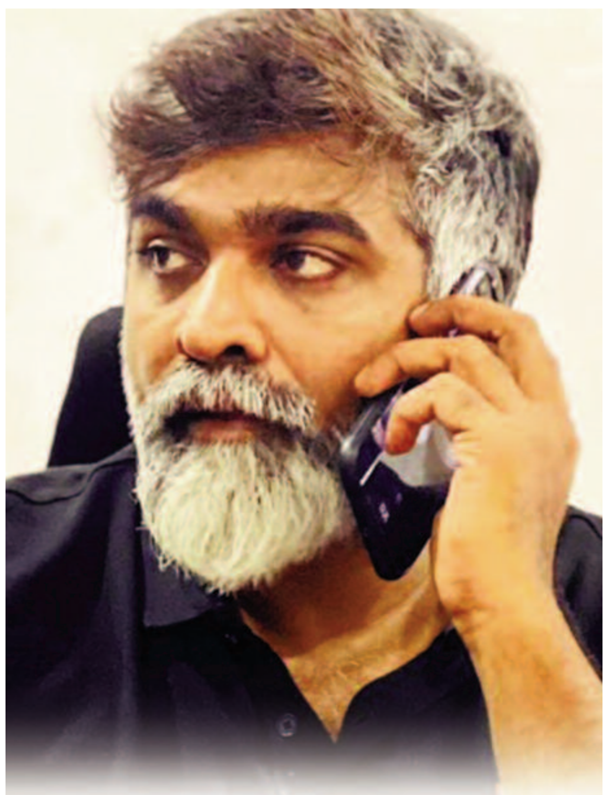

विजय सेतुपति की ‘महाराजा’ का सीक्वल बनेगा

विजय सेतुपति की ब्लॉकबस्टर फिल्म ‘महाराजा’ का सीक्वल बनने जा रहा है। खुद विजय सेतुपति ने कन्फर्म किया है कि फिल्म के डायरेक्टर निथिलन समिनाथन ने दूसरे पार्ट की कहानी पूरी कर ली है। विजय ने कहा कि वे इस फिल्म की कहानी सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। 2024 में रिलीज हुई फिल्म महाराजा ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी और अब इसके दूसरे पार्ट की तैयारी शुरू हो गई है।

डायरेक्टर निथिलन ने तैयार की स्क्रिप्ट

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विजय सेतुपति ने फिल्म के फ्यूचर प्लान पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि ‘महाराजा 2’ की कहानी पर काम पूरा हो चुका है। विजय ने कहा, निर्देशक निथिलन समिनाथन ने महाराजा 2 की कहानी पूरी कर ली है। मैं इसे जल्द ही सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। हालांकि, एक्टर ने अभी यह साफ नहीं किया है कि फिल्म फ्लोर पर कब जाएगी।

2024 की सफल फिल्मों में से एक ‘महाराजा’

बता दें कि जून 2024 में रिलीज हुई ‘महाराजा’ विजय सेतुपति के करियर की 50वीं फिल्म थी। इस फिल्म में विजय ने एक ऐसे साधारण नाई का किरदार निभाया था, जिसकी जिंदगी में एक हादसा सब कुछ बदल देता है। फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी और विजय सेतुपति की एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 20 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

सीक्वल में क्या हो सकता है खास?

'महाराजा' के पहले पार्ट का क्लाइमेक्स और उसकी कहानी की बुनावट फिल्म की सबसे बड़ी ताकत थी। फिल्म में अनुराग कश्यप ने विलेन का रोल निभाया था। अब सीक्वल की खबर आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी या विजय सेतुपति किसी नए सस्पेंस के साथ पर्दे पर लौटेंगे।

कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है तो पसंद नहीं

दिव्या दत्ता आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। पंजाबी फिल्मों से लेकर बॉलीवुड और अब ओटीटी तक की दुनिया में वह धूम मचा रही हैं। साल 1994 में एक्टिंग डेब्यू करने के बाद दिव्या दत्ता ने अपने 32 साल लंबे करियर में कई तरह के किरदार निभाए और अपनी पहचान पुख्ता की। 2017 में आई ‘इरादा’ के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं दिव्या दत्ता इस वक्त अपनी नई सीरीज ‘चिरैया’ को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है। मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित सीरीज ‘चिरैया’ के साथ-साथ दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में सिस्टरहुड, शादी रूपी संस्था पर बात की। इसके अलावा उन्होंने औरतों को एम्पावर करने की अहमियत, औरतों के बीच इन्सिक्योरिटी, अपनी शादी और पितृसत्तात्मक सोच को लेकर बात की।

आपकी सीरीज में एक जेठानी अपनी देवरानी के लिए खड़ी होती है, जो देखना काफी सुखद है। औरतों का एक-दूसरे को एम्पावर करना, सपोर्ट करना आप कितना जरूरी मानती है?

बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे समाज में बहुत सी औरतें अपने लिए बोल नहीं पातीं। ऐसे में, कोई अपना नजरिया साइड में रखकर आपको सुने, एक-दूसरे को थामे तो हमारे समाज के लिए बहुत खूबसूरत बात होगी। मेरे भाई ने एक कविता लिखी थी- ‘तुमने कहा था कि हम एक ही हैं तो अपने बराबर कर दो।’ उसने लड़का होकर महिलाओं पर लिखी थी, जो बहुत पसंद की गई, बहुत वायरल हुई और मैं सोचती थी कि यह कविता इतनी क्यों हिट हुई? फिर मुझे अहसास हुआ कि बहुत सी महिलाएं बोल ही नहीं पातीं कि अपने बराबर कर दो ना। इस कविता के जरिए उन्हें लगा कि किसी ने तो उनके मन की बात बोली जो वो खुद नहीं बोल पातीं। इसी तरह इस शो में एक महिला दूसरी के लिए खड़ी हुई, वो भी उस रिश्ते में जो खून का नहीं है। वो मां बेटी नहीं, देवरानी जेठानी हैं, जिनके बीच मुकाबले, इनसिक्योरिटी की ही चर्चा होती है तो ये कितनी प्यारी बात है।

निजी जिंदगी में ऐसी कोई पितृसत्तात्मक सोच रही, जिसके खिलाफ विद्रोह करने का मन किया? या आपने उसे तोड़ा हो?

मेरी मां सिंगल मदर थीं। मैंने अपने पिता जी को बहुत कम उम्र में खो दिया था। उन्होंने अकेले ही मुझे पाला और हमें अपने फैसले खुद लेने की आजादी दी। उन्होंने मुझे बताया था कि उन्हें कहा गया था कि तुम्हें डॉक्टर ही बनना है तो वो डॉक्टर बन गईं। वो बहुत अच्छा लिखती थीं और बाद में भी लिखती रहीं। लेकिन उन्हें वो चुनने की आजादी नहीं मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो तो बनो। मैं कल को ये नहीं सुनना चाहती कि तुम कहो कि मैं ये करना चाहती थी पर मेरी मां ने नहीं करने दिया। वो आजादी मेरे पास रही और इस सोच के साथ मैं बड़ी हुई हूं। ऐसे में, अगर कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है, ऐसा अब भी होता है कि नहीं, नहीं ऐसे नहीं करो, तो मुझे पसंद नहीं और जहां मुझे लगता है कि बोलना चाहिए तो मैं बोल देती हूं।

'चिरैया' मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित है। इस पर आपकी निजी राय क्या है?

असल में यह एक महिला की कहानी है, जिसकी जिंदगी में सब कुछ खूबसूरत चल रहा है। हालांकि, उसे जो सही या नॉर्मल लगता है, वो असल में है नहीं, मगर ये फैसला कौन करेगा कि क्या सही है, क्या गलत, क्योंकि हमारे यहां बहुत से लोगों को सही-गलत मालूम ही नहीं होता। एक ढर्रा चलता जाता है। हालांकि, हम कोई आंदोलन नहीं कर रहे हैं, पर यह कहानी इतनी रिलेटेबल है कि आपको लगेगा कि इसके बारे में लोगों का जागरूक करना चाहिए, क्योंकि बहुत से लोगों को पता ही नहीं है कि ऐसा हो रहा है।

शादी रूपी संस्था के बारे में आपकी क्या राय है? सलमान खान समेत बहुत से लोग अब इसे प्रासंगिक ही नहीं मानते ! आपने खुद शादी की अनिवार्यता की धारणा तोड़ी है !

मुझे समझ नहीं आता कि इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया जाता है? हर कोई मुझसे शादी को लेकर पूछता है। मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब ही नहीं देना है। इसमें धारणा तोड़ने जैसी बात ही नहीं है। यह मेरी जिंदगी है। मैं जैसा चाहूंगी वैसा करूंगी। उस पर बात करना उसे जस्टिफाई करना मुझे जरूरी नहीं लगता। बाकी रही दूसरों की सोच की बात, तो हर किसी का अपना नजरिया है। बहुत से लोग शादी करना चाहते हैं, कई नहीं करना चाहते। दोनों में से कोई भी गलत नहीं है। दोनों का अपना नजरिया है और हमें दोनों का सम्मान करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के राष्ट्रपति ने लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में उपजे तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान पर भी ताबड़तोड़ हमले किए हैं।ईरान और अमेरिका–इस्राइल के टकराव के बीच लेबनान में हो रही बमबारी को लेकर फ्रांस ने चिंता जताई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि लेबनान की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। बता दें कि तनावपूर्ण हालात के बीच 22 देशों ने ईरान से युद्ध रोकने की अपील की है। भारत की संसद से पीएम मोदी ने भी शांति की अपील करते हुए कूटनीति पर जोर दिया है। इसी बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने मध्यस्थता की पहल की है और ईरान–अमेरिका के अधिकारी इस्लामाबाद में मिल सकते हैं। फिलहाल, 25 दिनों से बमबारी जारी है। अमेरिका, ईरान और इस्राइल में कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा है। वैश्विक ताकतों के इस टकराव के कारण पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में उपजा ये अभूतपूर्व मानवीय संकट और गहराने की आशंका है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने नागरिकों को इराक तुरंत छोड़ने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान समर्थित आतंकवादी मिलिशिया ने इराक और कुर्दिस्तान क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं।अमेरिका का आरोप है कि अमेरिकी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, ऐसे में मिसाइलों, ड्रोन और रॉकेटों के जोखिम के चलते दूतावास या वाणिज्य दूतावास जाने से बचें। सभी कांसुलर सेवाएं निलंबित हैं इराक जाने से बचने की अपील करते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की है। शनिवार को विदेश विभाग ने विश्वव्यापी चेतावनी भी जारी की थी। इसमें ईरानी समर्थकों द्वारा अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की आशंका जताई गई। अमेरिकियों को मध्य पूर्व सहित दुनिया भर में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

ऑस्ट्रेलिया :16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर लगेगा प्रतिबंध

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई–बाइक और ई–स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई–मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी। नए नियमों के मुताबिक, ई–बाइक और ई–स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो। जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई–मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए।

अमेरिका को मिलेगा सऊदी और यूएई का साथ! ईरान के खिलाफ युद्ध में उतर सकते हैं 2 और देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब और भीषण होने जा रहा है। खबर है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब और यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अब तक इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। अमेरिका के खिलाफ ऐक्शन में ईरान ने यूएई समेत कई जगहों पर धमाके किए थे। लॉल स्ट्रीट जनरल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान युद्ध में शामिल होने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मामले के जानकारों ने अखबार को बताया कि सऊदी अरब ने किंग फाहद एयर बेस तक अमेरिका को पहुंच प्रदान करने में सहमति जताई है। खास बात है कि सऊदी अरब लंबे समय से कहता आ रहा है कि उसके एयर बेस का इस्तेमाल पुराने दुश्मन पर हमले के लिए नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, कहा जा रहा है कि यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि तेहरान के लिए ये ठिकाने बेहद अहम थे। अखबार के अनुसार, कुछ वीडियोज से जाहिर तौर पर यह भी पता चला कि ईरान पर हमले में इस्तेमाल की गई मिसाइलें बहरीन से दागी गई थीं। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य अटैची और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। सऊदी अरब ने ईरान पर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

ट्रम्प ने रक्षामंत्री के कहने पर ईरान पर हमला किया

उपराष्ट्रपति वेंस इससे खुश नहीं थे ; ईरान को एटमी हथियार बनाने से रोकना था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ईरान पर हमले को लेकर सबसे पहले उन्होंने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की थी। उन्होंने कहा कि पीट ने कहा, चलिए सैन्य कार्रवाई करके देखते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को चार हफ्ते होने वाले हैं। फिलहाल युद्ध थमने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप भी इस युद्ध का ठीकरा अपने ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर फोड़ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ही एक कार्यक्रम में कहा कि उनके डिफेंस सेक्रेटरी हेगसेथ ने ही सबसे पहले इस सैन्य कार्रवाई का दबाव डाला था। ट्रंप ने अपने साथ ही बैठे हेगसेथ से कहा, पीट, मुझे लगता है कि इस बारे में हम दोनों ने ही सबसे पहले बात की थी और आपने कहा था कि चलो करके देखते हैं। आपने कहा था कि उन्हें (ईरान) इस तरह से परमाणु हथियार रखने की छूट नहीं दी जा सकती। बता दें कि ईरान पर अमेरिका के हमले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भी अलग-अलग जवाब देता है। वहीं जानकारों का कहना है कि इजरायल ईरान पर हमला कर रहा था और ऐसे में अमेरिका को भी उसके साथ कूदना पड़ा। अन्य लोगों का कहना है कि ईरान बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों को तैनात करने की तैयारी कर रहा था, ऐसे में उसे रोकना जरूरी था।

समझौता चाहता है ईरान- डोनाल्ड ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा बढ़ा दी है, साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले को अब पांच दिन के लिए टाल देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी दूत एक ''सम्मानित'' ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं और ईरान ''समझौता करना चाहता है।' वहीं ईरान के अधिकारियों ने ऐसी किसी भी बात से साफ इनकार किया और कहा कि ''ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीछे हटने का निर्णय किया।

ईरान में 1500 की मौत : ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''हम कोई परमाणु बम या परमाणु हथियार नहीं देखना चाहते।'' इस बीच ईरान में संघर्ष में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,500 से अधिक जबकि लेबनान में 1,000 से अधिक पहुंच गई है। वहीं इजराइल में 15 और 13 अमेरिकी सैन्य कर्मी मारे गए हैं। इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में भी कई नागरिक मारे गए है। ईरान और लेबनान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। उत्तरी इजराइल में एक संभावित हमले की सूचना के बाद मंगलवार तड़के राहत एवं बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंचीं। 'होम फ्रंट कमांड' के अनुसार, इलाके में किसी वस्तु के गिरने की खबर मिली थी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे उस क्षेत्र में एकत्र न हों। इससे पहले इजराइली सेना ने चेतावनी दी थी कि ईरान की ओर से इजराइल की तरफ मिसाइलें दागी जा रही हैं। इस बीच, इजराइल की वायुसेना ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर जोरदार हवाई हमले किए। सेना का कहना है कि इन हमलों का लक्ष्य हिज्बुल्ला के ठिकाने और बुनियादी ढांचे थे, इन हमलों में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। हमलों के दौरान बहुत नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाज़ें सुनी गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि इजराइली हमलों में अब तक लेबनान में 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 10 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं।

होर्मुज से जहाज सुरक्षित निकालने के लिए ईरान ने दुनिया के सामने रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालने का एकमात्र रास्ता ईरानी अधिकारियों से पहले से की गई बातचीत है। हाल ही में ईरान की सुरक्षा परिषद ने यह ऐलान किया है। साथ ही परिषद ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोशिश की गई, तो बड़े जलमार्गों पर नौसैनिक बारूदी सुरंगे बिछा दी जाएंगी। युद्ध के बीच स्ट्रेट के दोनों ओर बड़ी संख्या में तेल के जहाज फंसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अुसार, सोमवार को परिषद ने होर्मुज को लेकर बड़ी घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि अब गैर शत्रुतापूर्ण जहाज या नॉन हॉस्टाइल वैसल्स का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरना पूरी तरह से ईरानी अधिकारियों के साथ पहले से तालमेल पर निर्भर होगा। परिषद ने चेताया है कि अगर मुल्क के पावर प्लांट्स पर हमले किए जाते हैं, तो तत्काल और निर्णायक जवाब ईरानी बलों की तरफ से दिया जाएगा।

नेवल माइन्स बिछाने की धमकी : परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि ईरानी तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोई भी कोशिश की गई, तो सभी प्रमुख समुद्री व्यापारिक रास्तों पर 'विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदी सुरंगें' बिछा दी जाएंगी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि ऐसे कदम उठाना उनका कानूनी अधिकार है और सैन्य स्तर पर स्वीकार्य भी है। परिषद ने चेताया कि कोई भी रक्षात्मक उपाय फारस की खाड़ी में समुद्री गतिविधियों पर रोक लगा देंगे, जिसके चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसी स्थिति तैयार हो जाएगी। बयान में कहा गया है कि अगर समुद्री गतिविधियों में रुकावट आती है, तो इसकी जिम्मेदारी वॉशिंगटन और इजरायली शासन की होगी। परिषद ने इस बात की पुष्टि की है कि अगर जहाज सुरक्षित रूप से क्षेत्र से गुजरना चाहते हैं, तो 'ईरान के साथ समन्वय' ही एकमात्र रास्ता है। ईरान को मित्र देशों से अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के संदेश मिले ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसे मित्र देशों के जरिए अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के बारे में संदेश मिले हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से ऐसी कोई बातचीत हुई है।

सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा, पिछले कुछ दिनों में कुछ मित्र देशों के जरिए संदेश मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के मकसद से बातचीत का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, उन्होंने पिछले 24 दिनों से चल रहे इस थोपे गए युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत या चर्चा से इनकार किया।

ईरान से तनातनी के बीच ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर की बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से उपजी चिंताओं के बीच पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वह अमेरिका के संदेशों को ईरान पहुंचा रहा है और ईरान के जवाबों से अवगत करा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक चर्चा का मुख्य विषय ईरान युद्ध था। हालांकि इस बातचीत को संवेदनशील बताते हुए अधिकारियों ने और ज्यादा बताने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने पहले कहा था कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चा है और अमेरिका मीडिया के जरिए कोई वार्ता नहीं करेगा। सूत्रों के अनुसार, मुनीर ने ट्रंप से बातचीत की और पाकिस्तान ने खुद को अमेरिकी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वार्ता की संभावित जगह के रूप में पेश किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। एक्स पोस्ट के जरिए उन्होंने ईद-उल-फितर और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और ईरान के लोगों के साथ अपनी सहानुभूति जताई।

शरीफ ने कहा कि दोनों पक्षों ने खाड़ी क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की और तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की जरूरत पर सहमति जताई। उन्होंने इस्लामी दुनिया में एकता और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में पाकिस्तान की भूमिका पर भी जोर दिया। इस बीच सोमवार को ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ बेहतर और सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने हमले को पांच दिनों तक टालने की घोषणा की थी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता का ट्रंप के फैसले से सीधा संबंध है या नहीं। ईरान ने सीधे अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार किया है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह कूटनीतिक प्रयास अभी शुरुआती चरण में है और इसे पूरी तरह से संरचित वार्ता नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान दुनिया का नंबर वन प्रदूषित देश

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान को दुनिया का सबसे प्रदूषित देश घोषित किया गया है। एक शोध से पता चला है कि पाकिस्तान में खतरनाक सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बताए गए सुरक्षित स्तर से 13 गुना अधिक है। राहत की बात यह है कि पिछले साल 13 देशों और क्षेत्रों ने अपने औसत पीएम2.5 स्तर को डब्ल्यूएचओ के मानक (5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम) पर बनाए रखा, जबकि 2024 में यह संख्या केवल 7 थी।

टॉप 3 सबसे प्रदूषित देश : स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था 'आईक्यूएयर' द्वारा मंगलवार को जारी की गई 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान प्रदूषण के मामले में नंबर वन देश है। जिन 143 देशों और क्षेत्रों की निगरानी की गई, उनमें से 130 देश डब्ल्यूएचओ के सुरक्षित वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को पूरा करने में विफल रहे। पाकिस्तान के बाद, बांग्लादेश दुनिया का दूसरा और ताजिकिस्तान तीसरा सबसे प्रदूषित देश रहा। 2024 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश रहा चाड, 2025 में चौथे स्थान पर खिसक गया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम2.5 के स्तर में यह गिरावट असल में सुधार नहीं, बल्कि 'डेटा की कमी' का परिणाम है। वहीं भारत इस लिस्ट में छठे स्थान पर है।

डेटा की कमी और अमेरिकी निगरानी कार्यक्रम का बंद होना : पिछले साल मार्च में, अमेरिका ने बजट की कमी का हवाला देते हुए अपने दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों से प्रदूषण डेटा इकट्ठा करने वाले वैश्विक निगरानी कार्यक्रम को बंद कर दिया था। आईक्यूएयर रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका क्रिस्टी चेस्टर श्रोएडर ने बताया कि मार्च में डेटा खोने से ऐसा लगा कि (चाड में) पीएम2.5 के स्तर में भारी गिरावट आई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि हमें इसके बारे में जानकारी ही नहीं है। अमेरिका के इस फैसले ने कई प्रदूषण-ग्रस्त देशों के लिए डेटा का प्राथमिक स्रोत ही खत्म कर दिया। जानकारी के इसी अभाव के कारण बुरुंडी, तुर्कमेनिस्तान और टोगो जैसे देशों को 2025 की रिपोर्ट से बाहर कर दिया गया है। दुनिया का सबसे प्रदूषित शहरः भारत का लोनी शहर 2025 में दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां औसत पीएम2.5 स्तर 112.5 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया। इसके बाद चीन के शिनजियांग क्षेत्र का होटन शहर 109.6 माइक्रोग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहा। यह चिंताजनक है कि दुनिया के शीर्ष 25 सबसे प्रदूषित शहर केवल भारत, पाकिस्तान और चीन में ही स्थित हैं। शहरों का गिरता स्तरः 2025 में दुनिया के केवल 14% शहरों ने डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा किया, जो कि एक साल पहले (17%) के मुकाबले कम है। इसका एक बड़ा कारण कनाडा के जंगलों में लगी आग थी, जिसने अमेरिका और यूरोप तक पीएम2.5 के स्तर को बढ़ा दिया। ला नीना मौसम प्रणाली के कारण बढ़ी नमी और हवाओं के चलते लाओस, कंबोडिया और इंडोनेशिया में पिछले वर्ष की तुलना में पीएम2.5 में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में अब तक 2,100 से ज्यादा हताहत : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयार्क, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं। चैबन ने कहा कि इस संघर्ष के बढ़ने से पहले ही मध्य पूर्व में लगभग 4 करोड़ 48 लाख बच्चे ऐसे हालात में रह रहे थे, जो पहले से ही संघर्ष से प्रभावित थे। हाल ही में लेबनान के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक है और पूरे क्षेत्र में जो हो रहा है, उस पर दुनिया का पूरा ध्यान और मिलकर कार्रवाई जरूरी है। लेबनान में 350 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को राहत शिविर बना दिया गया है, जिससे करीब 1 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसके अलावा पानी की व्यवस्था खराब हो गई है और लोगों की मदद करते समय कई स्वास्थ्यकर्मियों की मौत भी हुई है। यूनिसेफ ने अब तक 250 से ज्यादा शिविरों और दूर-दराज के इलाकों में 1 लाख 51 हजार विस्थापित लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाया है। साथ ही 188 शिविरों में करीब 46 हजार लोगों को पानी और साफ-सफाई की सुविधा दी जा रही है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरतें बहुत तेजी से बढ़ रही हैं और उपलब्ध संसाधन कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत उनके दायित्वों की याद दिलाते हैं। जैसा कि महासचिव ने संकेत दिया है हमें इस युद्ध को रोकने और आगे बढ़ने के लिए एक राजनीतिक रास्ते की जरूरत है।

ईरान और अमेरिका के बीच दूरी मिटाने में जुटे ये मुस्लिम देश, इस्लामाबाद में हो सकती है मध्यस्थता बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस बीच रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस सप्ताह इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले रोकने के एलान के बाद कूटनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत की वजह से हमलों को पांच दिन के लिए रोका गया है।

कौन से मुस्लिम देश कर रहे जंग खत्म करने के कूटनीतिक प्रयास : रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र पर्दे के पीछे रहकर दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद में बैठक आयोजित करने के लिए संपर्क जारी हैं, जिसमें अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक अन्य सूत्र ने बताया कि युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत इसी सप्ताह इस्लामाबाद में हो सकती है। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दावा- ईरानी संसद के अध्यक्ष के संपर्क में अमेरिका इस्राइल को मध्यस्थता के लिए की जा रही इन कोशिशों की जानकारी थी, लेकिन ट्रंप के इस दावे से वह हैरान है कि बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। हाल के दिनों में तुर्किये, मिस्र और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने अलग-अलग बैठकों में व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से चर्चा की है। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी संपर्क किया है, जो इस संघर्ष के दौरान अहम निर्णयकर्ता के रूप में उभरे हैं। एक सूत्र ने बताया कि मध्यस्थता जारी है और प्रगति हो रही है, जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना और बाकी मुद्दों का समाधान निकालना है। ट्रंप ने किया ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने का एलान इस बीच ट्रंप ने कहा कि बातचीत काफी मजबूत रही है और कई अहम बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि कूटनीति के लिए पांच दिनों तक सैन्य कार्रवाई रोकी गई है। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है तो हम समझौते तक पहुंच जाएंगे, वरना हम फिर से कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत के लिए संपर्क किया है।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है।

राहत बचाव कार्य जारी : यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें।

क्या बोले स्थानीय निवासी : सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

लोगों से सतर्क रहने की अपील : टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि 'टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी' की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें।

वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अमेरिका की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक : वालेरो पोर्ट आर्थर रिफाइनरी टेक्स्सा गल्फ कोस्ट से लगभग 90 मील की दूरी पर स्थित है। यहां लगभग 770 कर्मचारी का मकरते हैं। एक दिन में यहां 435000 बैरेल गैसोलीन, डीजल और जेट फ्यूल रिफाइन किया जाता है। जानकारों का कहना है कि इस रिफाइनरी में आग लगने के बाद ऑपरेशन रुक सकता है। इसका असर क्षेत्रीय फ्यूल सप्लाई पर भी पड़ सकता है। एक जानकार ने अनुमान लगाया है कि हीटिंग यूनिट में विस्फोट आग लगने की वजह हो सकती है। बता दें कि ईरान से युद्ध के बीच अफवाह यह भी फैल रही है कि ईरान ने ही यह हमला किया है। हालांकि अगर ईरान की सैन्य क्षमता देखें तो उसकी मिसाइलें अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)